सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 132 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 24 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सरकार का बड़ा फैसलाः खत्म किया मुस्लिम विवाह एवं तलाक कानून, रूकेंगे बाल विवाह

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने राज्य में बाल विवाह पर रोक के लिए मुस्लिम विवाह एवं तलाक पंजीकरण कानून, 1935 खत्म कर दिया है। शुक्रवार देर रात हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि '23 फरवरी को असम कैबिनेट ने एक अहम फैसला लेते हुए वर्षों पुराने असम मुस्लिम विवाह एवं तलाक पंजीकरण कानून को वापस ले लिया गया है। इस कानून में ऐसे प्रावधान थे कि अगर दूल्हा और दुल्हन शादी की कानूनी उम्र यानी लड़कियों के लिए 18 साल और लड़कों के लिए 21 साल के नहीं हुए हैं, तो भी शादी को पंजीकृत कर दिया जाता था। यह असम में बाल विवाह रोकने की दिशा में अहम कदम है।

प्रधानमंत्री के बंगाल दौरे से पहले हो सकता है कांग्रेस-तृणमूल में सीट शेयरिंग का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी के बीच में सीटों के तालमेल को लेकर प्रयास तेज हो गए हैं। कांग्रेस के एक संकट मोचक ने भी इनिशिएटिव ले लिया है। सूत्र बताते हैं कि सब ठीक रहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशखाली दौरे से पहले तृणमूल कांग्रेस सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे सकता है। प्रधानमंत्री 1-2 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं और वह संदेशखाली भी जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने भी कहा कि अभी गठबंधन की संभावना खत्म नहीं हुई है। सूत्र का कहना है कि राजनीति में कुछ बंद नहीं होता। वैसे भी ममता बनर्जी गठबंधन को मजबूती देने वाले नेताओं में हैं।

अपराजेय भाजपा बनी कांग्रेस का सिरदर्द

कांकेर लोकसभा : एससी आरक्षित सीट में 1998 के बाद से कांग्रेस को जीत की तलाश

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने राज्य की जिन 5 सीटों पर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई है, उनमें से एक कांकेर लोकसभा भी है। मजे की बात है कि इस सीट पर 1998 के बाद से कांग्रेस को जीत की तलाश है। बावजूद इसके विधानसभा चुनाव नतीजों के आधार पर पार्टी के नेता इस बार कांकेर फतह का ख्वाब देख रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि राज्य और केन्द्र के चुनाव अलग-अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण 2018 का चुनाव है, जब प्रदेश में कांग्रेस ने अभूतपूर्व बहुमत के साथ सरकार बनाई, लेकिन अगले ही साल हुए लोकसभा के चुनाव में उसे 11 में से महज 2 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इस बार प्रदेश में भाजपा की सरकार है तो यह पार्टी सभी 11 सीटें जीतने की आस पाल रही है। गुरूवार को जब गृहमंत्री अमित शाह कोंडागांव आए तो उन्होंने बस्तर और महासमुंद के साथ ही कांकेर लोकसभा क्षेत्र के हालातों की भी समीक्षा की।

कभी बस्तर लोकसभा का हिस्सा रही कांकेर सीट 1967 में अस्तित्व में आई। अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षित इस सीट में बालोद, धमतरी और बस्तर की कुल 8 विधानसभा सीटें आती है। इनमें संजारी बालोद, डौंडीलोहारा, गुंडरदेही, सिहावा के साथ ही अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, कांकेर और केशकाल शामिल है। गुंडरदेही और संजारी बालोद को छोड़ दें तो बाकी सभी विधानसभा सीटें एससी आरक्षित है। हालिया सम्पन्न विधानसभा चुनाव में इन 8 सीटों में से कांग्रेस को 5 तो भाजपा को 3 सीटें मिली थी। संभवत: यही कारण है कि प्रदेश कांग्रेस को कांकेर में अपने लिए संभावनाएं नजर आ रही है। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने पखवाड़ेभर पहले ही इस संसदीय क्षेत्र के केन्द्रीय कार्यालय का शुभारम्भ किया था। चुनाव तारीखों का ऐलान अगले महीने होना है। इससे काफी पहले ही चुनाव कार्यालय खोलना, चुनाव को लेकर भाजपा की गम्भीरता को दिखाता है। इस लोकसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा बार जीत का रिकार्ड कांग्रेस के नेता रहे अरविंद नेताम के नाम है। उन्होंने यहां से 5 बार लोकसभा चुनाव जीता। एक बार उनकी पत्नी भी सांसद रही। नेताम इंदिरा गांधी और नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री भी रहे। इसके बाद लगातार 4 जीत का रिकार्ड भाजपा के सोहन पोटाई के नाम रहा, जिन्होंने 1998 के बाद 2009 तक लगातार 4 चुनाव में जीत दर्ज की। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जिस अरविंद नेताम ने 5 बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया, उसे आगे चलकर कांग्रेस ने विस्मृत कर दिया। कमोबेश ऐसा ही कांकेर को भाजपा का गढ़ बनाने वाले सोहन पोटाई के साथ भी हुआ। हालांकि अब दोनों नेता दिवंगत हैं।

पहला सांसद जनसंघ से...

बस्तर से अलग होकर अस्तित्व में आए कांकेर लोकसभा क्षेत्र में 1967 में पहला संसदीय चुनाव हुआ, जिसमें जनसंघ के त्रिलोक शाह लाल प्रियेन्द्र शाह ने जीत हासिल की। हालांकि यह जीत लम्बी नहीं चल पाई। 1971 के चुनाव में कांग्रेस के अरविंद नेताम यहां से पहली बार सांसद निर्वाचित हुए। केन्द्र में इंदिरा गांधी के शासन के दौरान पूरे देश में इसी दौरान इमरजेंसी लगी, जिसके चलते अगला लोकसभा चुनाव 1977 में हुआ। इमरजेंसी का नतीजा भी कांग्रेस को भोगना पड़ा। तब कांकेर सीट से जनता पार्टी के अघन सिंह ठाकुर निर्वाचित हुए। उन्होंने उन्हीं अरविंद नेताम को हराया जो इससे पहले सांसद थे। इसके बाद 1980, 1984, 1989 और 1991 के 4 चुनाव में लगातार अरविंद नेताम ने जीत का परचम लहराकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का भरोसा कायम रखा। 1996 में कांग्रेस ने नेताम का नाम हवाला कांड में आने की वजह से कांग्रेस ने उनकी पत्नी छबीला नेताम को प्रत्याशी बनाया तब भी मतदाताओं ने कांग्रेस को निराश नहीं किया। लेकिन यही चुनाव कांग्रेस के अंतिम भी साबित हुआ, क्योंकि उसके बाद से आज तक कांग्रेस इस सीट पर जीत के लिए तरस रही है।

शाह ने फूंका चुनावी बिगूल

गुरूवार को बस्तर के कोंडागांव पहुंचे भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह ने बस्तर क्लस्टर के तीनों लोकसभा क्षेत्रों कांकेर, महासमुंद व बस्तर की महत्वपूर्ण बैठक लेकर चुनावी बिगूल फूंक दिया। उन्होंने निर्वाचन की सबसे छोटी इकाई बूथ स्तर पर काम करने पर जोर देते हुए आह्वान किया कि कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचने में जुट जाएं। इसी से जीत के लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। केन्द्रीय नेतृत्व के साथ ही प्रदेश भाजपा ने भी इस बार राज्य की सभी 11 संसदीय सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, इसलिए एक-एक सीट की अपनी अहमियत है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि कांकेर सीट पर उसके लिए ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। पार्टी की चिंता में फिलहाल बस्तर है, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में पराजय का सामना करना पड़ा था। वर्तमान में कांग्रेस के दीपक बैज बस्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे पीसीसी के अध्यक्ष भी हैं। यही वजह है कि बस्तर क्षेत्र के कोंडागांव क्षेत्र से ही केन्द्रीय रणनीतिकार अमित शाह ने चुनावी बिगूल फूंका। कांग्रेस भी बस्तर सीट को लेकर आश्वस्त नजर आती है।

सोहन पोटाई ने बनाया भाजपा का गढ़

कांकेर को भाजपा का गढ़ बनाने में तत्कालीन युवा नेता और संघ के पुराने कार्यकर्ता रहे सोहन पोटाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भाजपा ने जब 1998 में उन्हें प्रत्याशी बनाया तो इस सीट से पार्टी की जीत का जो खाता खुला, वह अब तक जारी है। पोटाई 1998, 1999, 2004 और 2009 के चुनाव में लगातार 4 बार जीते। लेकिन 2014 में पार्टी ने उनकी जगह विक्रम उसेंडी को उतार दिया। उसेंडी ने हालांकि पार्टी को निराश नहीं किया। यह वह वक्त था जब प्रदेश में डॉ. रमन सिंह की अगुवाई में भाजपा तीसरी बार सरकार बना चुकी थी। उसेंडी की जीत के बाद पोटाई की नाराजगी बढ़ती चली गई। यह नाराजगी इतना बढ़ी कि 2016 में भाजपा ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निकाल बाहर किया। तब तक कांग्रेस के सीनियर नेता अरविंद नेताम की भी कांग्रेस में पूछपरख कम हो चुकी थी। कुछ समय बाद बाद पोटाई और नेताम ने मिलकर आदिवासी हितों की रक्षा के लिए हाथ मिला लिया। दोनों सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले काम करते रहे। आगे चलकर नेताम ने राजनीतिक पार्टी भी बनाई।

हादसाः तालाब में गिरी श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली, सात बच्चों समेत 20 की मौत

कासगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। पटियाली-दरियावगंज मार्ग पर सुबह करीब 10 बजे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी। तालाब में जाकर ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। जिसमें ज्यादातर श्रद्धालु दब गए। इस हादसे में 20 से अधिक लोगों की मौत अब तक हो चुकी है।

मृतकों में आठ महिलाएं और सात बच्चे शामिल हैं। कई गंभीर घायल श्रद्धालुओं का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है और कुछ को रेफर किया गया है। घटनास्थल से लेकर जिला अस्पताल तक अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। डीएम, एसपी सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। राहत और बचाव का कार्य किया जा रहा है। परिवारों में चीत्कार मचा हुआ है।

मृतकों में एक एक परिवार के कई कई लोग शामिल हैं। प्रशासन के द्वारा अब तक 20 लोगों की मौत की पुष्टि की जा चुकी है। सीएमओ डॉ. राजीव अग्रवाल ने बताया कि सात बच्चे और आठ महिला पटियाली के सीएचसी पर मृत घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही पांच और को मृत घोषित कर दिया गया। एंबुलेंस से जो अन्य घायल जिला अस्पताल लाए गए हैं उनका परीक्षण चल रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। स्थिति अधिक गंभीर है।

एक करोड़ की बीमा राशि के लिए नानी को जहरीले सांप से कटवाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। छत्तीसगढ़ के पखांजूर में हत्या का एक सनसनी खेज मामला सामने आया है। करोड़पति बनने के लिये नाती ने अपनी नानी को सांप से कटवाकर हत्या कर दी। इसके लिये सपेरे को 30 हजार रुपये भी दिए। पुलिस की पूछताछ के बाद सपेरे ने यह खुलासा किया। जिसके बाद आरोपी नाती को भी गिरफ्तार कर लिया है। 1 करोड़ के बीमा क्लेम के लिए नाती ने यह हत्या कराई थी।

नाती ने ही कराया था बीमा

बांदे थाना के बांदेबस्ती निवासी आकाश पठारीया ने अपनी 53 वर्षीय नानी रानी पठारिया का पहले 50 लाख रुपये का बीमा कराया। बीमा शर्तों के अनुसार एक्सीडेंट में मौत होने पर 1 करोड़ रुपये क्लेम की राशि मिलना थी। इसके लिये 3 लाख रुपये वार्षिक प्रीमियम भी देना था। नाती आकाश पठारीया को क्लेम की राशि 1 करोड़ मिले, इसलिए उसने सांप से कटवाकर नानी की हत्या की। दुर्घटना में मौत होने के कारण आकाश ने बीमा कंपनी से 1 करोड़ रुपये क्लेम की राशि भी ले ली।

8 महीने पहले की थी हत्या

नाती ने घटना को अंजाम देने के लिये बहुत पहले से प्लानिंग की। 9 महीने पहले नानी का बीमा कराया। बीमा के एक महीने बाद जब नानी की तबीयत खराब हुई तो उन्हें अस्पताल ले जाने के लिये किराये से गाड़ी की। संबलपुर पहुंचने से पहले आकाश पठारीया ने सपेरा पप्पू राम नेताम से 30 हजार रुपये में नानी को सांप से कटवाने का सौदा तय किया। सांप से कटवाने के बाद जब नानी ने दम तोड़ दिया, तो उनका शव लेकर आकाश बांदे अस्पताल पहुंचा। पोस्टमार्टम में सांप से काटने से मौत के होने की पुष्टी हुई, जिसके आधार पर आकाश ने एक करोड़ का क्लेम ले लिया।

मृतिका के बेटे की शिकायत से हुआ खुलासा

मामले में संदेह होने पर मृतिका रानी के बेटे ने पुलिस से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने गहराई से जांच शुरु की। हत्या के 8 महीने बाद पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा किया। मामले में आरोपी नाती, सपेरा सहित पुलिस ने एलआईसी मैनेजर तारक देवनाथ को भी गिरफ्तार किया है। आकाश पठारिया के पास से पुलिस ने 10 लाख नगद, सोने चांदी के साथ दो कार और एक बाइक बरामद की है।

राष्ट्रीय स्तर पर फिर मिली उपलब्धिः आउटस्टैण्डिंग कम्यूनिटी बेस्ड ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट में विजेता बना छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ को इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड से नवाजे जाने पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

श्रीकंपनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ को इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड 2024 से नवाजे जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) के अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री साय से मुलाकात कर उन्हें यह अवार्ड सौंपा।

मुख्यमंत्री को सीबीडीए के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर फिर उपलब्धि हासिल की है। इंडियन फेडरेशन ऑफग्रीन एनर्जी, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) को इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड, 2024 से नवाजा गया है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर आउटस्टैण्डिंग कम्यूनिटी बेस्ड ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट श्रेणी में विजेता बना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, संतोष मैत्री, रमेश मेंढेकर, डां प्रीति कौर, श्रीमती छाया किरण शर्मा, श्रीमती ज्योति खापरडे, समय लाल काछी, पूर्णचंद्र साहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जैव ईंधन और जैव ऊर्जा के क्षेत्र में हुआ उल्लेखनीय कार्य

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितीन गड़करी ने नई दिल्ली में यह पुरस्कार सीबीडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित सरकार को प्रदान किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली भी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा विगत् एक दशक से भी अधिक समय से जैव ईंधन तथा जैव ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रामीण किसानों और हितग्राहियों को जोड़कर उल्लेखनीय काम किया है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा बायोडीजल, बायो-एथेनॉल, बायोजेट एवीयेशन फ्यूल, जैव-सीएनजी, बायोगैस से बिजली उत्पादन और ग्रिड में समायोजन जैसे कई सफल अनुसंधान एवं विकास कार्य किया है। प्राधिकरण को अपने सफल प्रयोगों से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धियो देखते हुए पुरस्कार दिया गया है।

छुरी-कांटा-चम्मच से खाने का 'फूहड़' चलन

श्रीकंचनपथ

फूहड़ता क्या है? हाथ से भोजन करना या 'छुरी-कांटा-चम्मच' की मदद से भोजन के साथ खेलना? भारतीय उपमहाद्वीप की बात करें तो छुरी-कांटे से खा पाने को यहां अप-मार्केट माना जाता है. हाथ से खाना तो केवल जाहिल खाते हैं। माना जाता है कि जिनके पास छुरी-कांटा या चम्मच नहीं होता वो गरीब टाइप के होते हैं। इसलिए अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में बाकायदा टेबल मैनर्स की क्लास लगाई जाती है। बच्चा टेबल पर बैठता है, गोद में नैपकिन रखता है, गले में बिब बांधता है और फिर छुरी कांटे से पराठे खाने की कोशिश करता है। जब छुरी कांटे से पराठा-रोटी खाना मुश्किल हो जाता है तो वह स्वयमेव नूडल्स, फ्राइड राइस की तरफ मुड़ जाता है। इसके साथ शुरू होती है मोटापे की एक ऐसी समस्या जिससे वह आजीवन जूझता रहता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रो। चार्ल्स स्पेंस कहते हैं कि हाथ से भोजन करने पर न केवल उसका टेक्सचर समझ में आता है बल्कि भोजन से मिलने वाली संतुष्टि भी बढ़ती है। भारतीय मान्यता है कि भोजन करते समय पूरे मन से केवल भोजन करना चाहिए। हाथ से भोजन करते समय यह अपने-आप हो जाता है। चम्मच से खाना खाने वाले भोजन करते हुए भी कम्प्यूटर-टैब या मोबाइल पर काम कर सकते हैं। हाथ दीगर कार्यों में व्यस्त होने के कारण ध्यान भी बंटा रहता है। भारतीय पद्धति जमीन पर बैठकर भोजन करने की भी है जिसके कारण उसके चलने फिरने या ज्यादा हिलने डुलने पर भी पाबंदी लग जाती है। तथाकथित आधुनिक समाज इसके भी खिलाफ है। लगभग पांच दशक पहले डाइनिंग टेबलों की बाढ़ आई। लोगों के घर में इसके लिए जगह बनने लगी। हालांकि मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास घरों में डाइनिंग टेबल का इस्तेमाल सामान रखने और कपड़े प्रेस करने के लिए अधिक होता रहा। पर पिछले दो-तीन दशकों में फर्श पर बैठकर भोजन करने की परम्परा का पूरी तरह लोप हो गया। लोग डाइनिंग टेबल पर तो नहीं पर गोद में भोजन की प्लेट लेकर टीवी देखते हुए भोजन करने लगे। पार्टियों में तो अब खड़े-खड़े खाने का ही चलन रह गया है - ठीक घोड़े की तरह। वैसे बड़े-बूढ़ों को दकियानूसी कहने वाला भारतीय समाज अब शायद सुधर जाए। उनकी नजर में भारत नहीं बल्कि अमेरिका विश्वगुरू है। इसी अमेरिका में अब ऐसे रेस्तरां खुलने लगे हैं जहां प्रवेश करते ही हाथ धुलाने की परम्परा है। यहां भोजन के साथ कटलरी नहीं दी जाती। भोजन हाथ से करना होता है। मैनहट्टन का एक फिलिपिनो रेस्तरां ऐसा ही करता है। इसे 'कामायन' परम्परा कहते हैं। सुशी रेस्तरां के शेफभी एक खास डिश को हाथ से खाने के लिए ग्राहक को प्रेरित करते हैं। जीपनी, नक्स और पोनेस्को जैसे रेस्तरां हाथ से भोजन करने की प्रथा को पुनर्जीवित कर रहे हैं। अच्छी सेहत का जो गूढ़ रहस्य कभी भारतीय जीवनपद्धति का हिस्सा था, उसपर भी अमेरिका-रिटर्न का ठप्पा लग जाएगा।

संपादकीय

आंदोलन और उदारता

किसान आंदोलन के नेताओं के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू न करने का हरियाणा सरकार का फैसला सुखद और स्वागतयोग्य है। यह सर्वविदित है कि ज्यादातर आंदोलनकारी पंजाब से आए हैं और दिल्ली से लगती हरियाणा की सीमा पर जमे हुए हैं। अत: मुख्य रूप से आंदोलनकारियों को अनुशासन में रखने की जिम्मेदारी हरियाणा सरकार पर ही है। जाहिर है, पुलिस प्रशासन परंपरा के अनुरूप कड़ाई के पक्ष में है और हिंसक तत्वों को काबू में करने के लिए कड़े कानूनों का इस्तेमाल चाहता है। अक्सर दलील दी जाती है कि किसी भी तरह की अराजकता या हिंसा को रोकने के लिए ही राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जैसे कड़े प्रावधान संविधान में किए गए हैं, अत: इनके इस्तेमाल में कोई बुराई नहीं है। हालांकि, प्रशासन को यह एहसास होना चाहिए कि अब पहले का दौर नहीं है। संसाधनों से मजबूत किसानों पर ज्यादा कड़ाई से समाधान को कदापि बल नहीं मिलेगा। अत: राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को फिलहाल हाशिये पर करना यथोचित फैसला है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने अगर किसानों के दर्द को समझते हुए यह फैसला लिया है, तो उनकी प्रशंसा होनी चाहिए। इस फैसले से हरियाणा सरकार का नैतिक बल बढ़ेगा और समाधान की दिशा में पहल करने के लिए वह ज्यादा सक्षम होगी। गौर करने की बात है कि किसान आंदोलन में अब तक करीब पांच किसानों की मौत हुई है और ऐसी स्थिति में भी किसान नेताओं पर सख्ती बरतने का फैसला प्रशंसनीय नहीं था। खैर, पुलिस प्रशासन के स्तर पर गुरुवार की तल्खी शुक्रवार को नरम पड़ गई। अब अधिकारियों ने कहा है कि हरियाणा पुलिस प्रदर्शनकारियों और उनके नेताओं से शांति बनाए रखने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील करती है। यह जरूरी अपील है। 13 फरवरी से ही असामाजिक तत्व दिल्ली कूच के मकसद से सीमा पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये तत्व पुलिस पर पथराव भी कर रहे हैं। आंदोलन का मतलब यह नहीं कि लोकतंत्र और संविधान को ताक पर रख दिया जाए। हरियाणा सरकार का यह फैसला एक मिसाल है और उससे सीखा जा सकता है। अनेक राज्यों में ऐसा देखा गया है कि पुलिस तत्काल कड़े से कड़े कानून लगाने में जुट जाती है, जबकि बदलते दौर और एक आम भारतीय के महत्व को समझने व सम्मान देने का समय आ चुका है। सरकारों को पुलिस बल के आधार पर नहीं, बल्कि अपने नैतिक बल के आधार पर समाधान तलाशने चाहिए। अच्छी राजनीति या अच्छी नीतियों से भी सरकारों का नैतिक बल बढ़ता है। मिसाल के लिए, हरियाणा सरकार के ही ताजा फैसले को देखा जा सकता है। राज्य के मुख्यमंत्री ने सितंबर 2023 तक किसानों द्वारा लिए गए सभी कृषि ऋण की मूल राशि के भुगतान पर ब्याज और जुर्माने को माफ करने की घोषणा कर दी है। लगे हाथ, किसानों के जोखिम को कम करने के लिए समर्थन योजना में 21 सब्जियों और फलों की फसलों को शामिल किया गया है। वाकई, राज्य सरकारों को अपने स्तर पर भी किसानों के हित में बड़े कदम उठाने चाहिए। मिसाल के लिए, छत्तीसगढ़ में धान किसानों की मांग जब अपने राज्य में ही पूरी हो जाती है, तो उन्हें राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर डेरा डालने की क्या जरूरत है? हां, अगर कोई मांग राज्य की क्षमता से परे है, तो केंद्र सरकार को मनाने के अनेक अनुशासित उपाय हैं।

> सरकारों को पुलिस बल के आधार पर नहीं, बल्कि अपने नैतिक बल के आधार पर समाधान तलाशने चाहिए। अच्छी राजनीति या अच्छी नीतियों से भी सरकारों का नैतिक बल बढ़ता है। मिसाल के लिए, हरियाणा सरकार के ही ताजा फैसले को देखा जा सकता है। राज्य के मुख्यमंत्री ने सितंबर 2023 तक किसानों द्वारा लिए गए सभी कृषि ऋण की मूल राशि के भुगतान पर ब्याज और जुर्माने को माफकरने की घोषणा कर दी है।

नाजुक मोड़ पर आंदोलन

पंजाब-हरियाणा से लगे खनौरी बॉर्डर पर पुलिस कार्रवाई में एक नौजवान किसान की मौत ने किसान आंदोलन के मौजूदा दौर को नाजुक मोड़ पर पहुंचा दिया है। यहां यह याद करने योग्य है कि 2020 में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ खड़ा हुए और 13 महीनों तक चले बहुचर्चित किसान आंदोलन के समय पुलिस कार्रवाई से कोई मौत नहीं हुई थी। तब आंदोलन चला रहे संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व को इसका श्रेय दिया गया था कि उसने संयम और स्पष्ट रणनीति के साथ अपने अभियान का संचालन किया और आखिरकार जीत हासिल की। अब यही बात इस मोर्चे से अलग हुए संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेतृत्व के लिए नहीं कही जा सकती। बेशक पुलिस की तरफ से भी अनुपात से अधिक और अनुचित बल-प्रयोग किया गया है। इससे भी 'दिल्ली चलो' अभियान में शामिल किसानों में गुस्सा फैला है। मगर कुछ उग्रता नए गुट की रणनीति का भी हिस्सा है, जो संभवत: एसकेएम को अप्रभावी दिखाकर कृषक मुद्दों पर अपना नेतृत्व स्थापित करना चाहता है। इस गुट ने किसानों की मांगों को तुरंत मनवा लेने की रणनीति अपनाई है।

मगर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी करने वाले कानून और इस जैसी अन्य मांगों का देश की मौजूदा आर्थिकी से सीधा और तीखा अंतर्विरोध है। ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि इन मांगों को मानने के लिए सरकार को तुरंत मजबूर कर देने की रणनीति में टकराव की गुंजाइश शामिल है। ऐसे में आंदोलन के नेतृत्व से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह आंदोलन के तौर-तरीकों का स्पष्ट खाका लेकर चले और आंदोलन में शामिल लोगों पर नियंत्रण बनाए रखे। बुधवार को खनौरी बॉर्डर पर की घटना के बाद आंदोलन नेतृत्व ने 'दिल्ली चलो' अभियान को दो दिन रोकने का उचित फैसला किया। इस बीच सरकार से पांचवें दौर की वार्ता का भी प्रस्ताव आया है। सरकार के पास पिछली वार्ता से आगे अब किसानों के लिए क्या पेशकश है, यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा। ऐसे में अपेक्षित है कि आंदोलन नेतृत्व वार्ता में शामिल हो। उसके बाद की रणनीति वह तमाम परिस्थितियों पर समग्र विचार करने के बाद ही तैयार करे।

सिरे से अस्वीकार्य

पश्चिम बंगाल के संदेशखली में हुई घटना मानवीय संवेदना को झकझोर देने वाली है। ऐसी घटना के स्थल पर विपक्ष के नेता जाएं, यह लोकतंत्र की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। वहां विपक्षी कार्यकर्ता विरोध जताने के लिए इकट्ठे हों, यह भी अपेक्षित ही है। अगर पुलिस अपनी सीमाएं लांघती है, तो उस पर कानून और संविधान के दायरे में रहते हुए विरोध जताने का हक भी सबको है। लेकिन विरोध जताने के क्रम में पुलिसकर्मी की धार्मिक पहचान पर हमला किया जाए और वह भी इस तरह कि इस पहचान के आधार पर उसे देश-द्रोही बताने की कोशिश की जाए, तो इसे विभाजक और बीमार सोच का प्रतिबिंब ही कहा जाएगा। बेशक संदेशखली कांड के सिलसिले में मंगलवार को हुई एक घटना को इसी श्रेणी में रखा जाएगा। वहां एक आईपीएस अधिकारी को विपक्ष के नेता ने खालिस्तानी कह दिया। सिर्फ इस कारण कि अधिकारी सिख हैं और अपने धर्म की मान्यताओं का पालन करते हुए पगड़ी पहनते हैं। इस टिप्पणी पर अधिकारी आहत हुए और सार्वजनिक रूप से अपना आक्रोश जताया, तो उसे एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया माना जाएगा। यह घटना ये बताती है कि भारत में हर मसले और घटना को धार्मिक रंग देने की सियासत किस खतरनाक हद तक पहुंच गई है। इसने लोगों की सोच को इतना जहरीला बना दिया है कि खुद से अलग मान्यता और पहचान वाले व्यक्ति या समुदाय लोगों को वे सहज ही राष्ट्र और समाज-द्रोही कह डालते हैं।

> जामनी नदी बेतवा की सहायक नदी है और यह सागर जिले से निकल कर कोई 201 किलोमीटर का सफर तय कर टीकमगढ़ जिले में ओरछा में बेतवा से मिलती है। आमतौर पर इसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन बारिश में यह ज्यादा उफनती है। योजना तो यह थी कि यदि बम्होरी बराना के चंदेलकालीन तालाब को नदी के हरपुरा बांध के पास से एक नहर द्वारा जोड़ने से तालाब में सालभर लबालब पानी रहे।

बिना विस्थापन के जल संकट होगा दूर

पंकज चतुर्वेदी

प्यास-पलायन-पानी के कारण कुख्यात बुंदेलखंड में हजार साल पहले बने चन्देलकालीन तालाबों को छोटी सदानीर नदियों से जोड़ कर मामूली खर्च में कलंक मिटाने की योजना आखिर हताश होकर ठप्प हो गई। ध्यान दें बीते ढाई दशकों से यहां केन और बेतवा नदियों को जोड़कर इलाके को पानीदार बनाने के सपने बेचे जा रहे हैं। हालांकि पर्यावरण के जानकार बताते रहे हैं कि इन नदियों के जोड़ से बुंदेलखंड तो घाटे में रहेगा लेकिन कभी चार हजार करोड़ की बनी योजना अब 44 हजार 650 करोड़ की हो गई है। सन? 2010 में पहली बार जामनी नदी को महज सत्तर करोड़ के खर्च से टीकमगढ़ जिले के पुश्तैनी विशाल तालाबों तक पहुंचाने और इससे 1980 हेक्टेयर खेतों की सिंचाई की योजना तैयार की गई। इस योजना में न तो कोई विस्थापन होना था और न ही कोई पेड़ काटना था। सन? 2012 में काम भी शुरू हुआ लेकिन आज करोड़ों खर्च के बाद न नहर है न ही सिंचाई।

विडंबना, देश की सभी बड़ी परियोजनाएं कभी भी समय पर पूरी होती नहीं हैं। उनकी लागत बढ़ती जाती है और जब तक वे पूरी होती हैं, उनका लाभ, व्यय की तुलना में गौण हो जाता है। यह भी तथ्य है कि तालाबों को बचाना, उनको पुनर्जीवित करना अब अनिवार्य हो गया है और यह कार्य बेहद कम लागत का है और इसके लाभ अपार हैं। केन-बेतवा नदी को जोड़ने की परियोजना को फौरी तौर पर देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि इसकी लागत, समय और नुकसान की तुलना में इसके फायदे नगण्य ही हैं।

केन और बेतवा दोनों का ही उद्गम स्थल मध्यप्रदेश है। दोनों नदियां लगभग समानांतर एक ही इलाके से गुजरती हुई उत्तर प्रदेश में जाकर यमुना में मिल जाती हैं। जाहिर है कि जब केन के जल ग्रहण क्षेत्र में अल्प-वर्षा या सूखे का प्रकोप होगा तो बेतवा की हालत भी ऐसी ही होगी। वैसे भी केन का इलाका पानी के भयंकर संकट से जूझ रहा है।

सन् 1990 में केंद्र की एनडीए सरकार ने नदियों के जोड़ के लिए एक अध्ययन शुरू करवाया था और इसके लिए केन बेतवा को चुना गया था। सन् 2007 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इस परियोजना में पन्ना नेशनल पार्क के हिस्से को शामिल करने पर आपत्ति जताई। हालांकि, इसमें कई और पर्यावरणीय संकट हैं लेकिन सन् 2010 जाते-जाते सरकार में बैठे लोगों ने प्यासे बुंदेलखंड को एक चुनौतीपूर्ण प्रयोग के लिए चुन ही लिया। केन-बेतवा के जोड़ की योजना को सिद्धांततया मंजूर होने में ही 24 साल लग गए। उल्लेखनीय है कि राजघाट परियोजना का काम जापान सरकार से प्राप्त कर्जे से अभी भी चल रहा है। इसके बांध की लागत 330 करोड़ से अधिक तथा बिजलीघर की लागत लगभग 140 करोड़ है। राजघाट से इस समय 953 लाख यूनिट बिजली भी मिल रही है। यह बात भारत सरकार स्वीकार कर रही है कि नदियों के जोड़ने पर यह पांच सौ करोड़ बेकार हो जाएगा।

टीकमगढ़ जिले में अभी चार दशक पहले तक हजार तालाब हुआ करते थे। यहां का कोई गांव ऐसा नहीं था जहां कम से कम एक बड़ा-सा सरोवर नहीं था, जो वहां की प्यास, सिंचाई सभी जरूरतें पूरी करता था। आधुनिकता की आंधी में एक-चौथाई तालाब चौरस हो गए और जो बचे तो वे रखरखाव के अभाव में बेकार हो गए।

जामनी नदी बेतवा की सहायक नदी है और यह सागर जिले से निकल कर कोई 201 किलोमीटर का सफर तय कर टीकमगढ़ जिले में ओरछा में बेतवा से मिलती है। आमतौर पर इसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन बारिश में यह ज्यादा उफनती है। योजना तो यह थी कि यदि बम्होरी बराना के चंदेलकालीन तालाब को नदी के हरपुरा बांध के पास से एक नहर द्वारा जोड़ने से तालाब में सालभर लबालब पानी रहे। इससे 18 गांवों के 1800 हेक्टेयर खेत सींचे जाएंगे। यही नहीं, नहर के किनारे कोई 100 कुएं बनाने की भी बात थी जिससे इलाके का भूगर्भ स्तर बना रहता। अब इस योजना पर व्यय है महज कुछ करोड़, इससे जंगल, जमीन को नुकसान कुछ नहीं है, विस्थापन एक व्यक्ति का भी नहीं है। इसको पूरा करने में समय कम लगता। इसके विपरीत नदी जोड़ने में हजारों लोगों का विस्थापन, घने जंगलों व सिंचित खेतों का व्यापक नुकसान, साथ ही कम से कम से 10 साल का काल लग रहा है।

समूचे बुंदेलखंड में पारंपरिक तालाबों का जाल है। आमतौर पर ये तालाब एक-दूसरे से जुड़े हुए भी थे, यानी एक के भरने पर उससे निकले पानी से दूसरा भरेगा, फिर तीसरा। इस तरह बारिश की हर बूंद सहेजी जाती थी।

यह समझना होगा कि देश में जल संकट का निदान स्थानीय और लघु योजनाओं से ही संभव है। ऐसी योजनाएं जिसे स्थानीय समाज का जुड़ाव हो और यदि जामनी नदी से तालाबों को जोड़ने का काम सफल हो जाता तो सारे देश में एक बड़ी परियोजना से आधे खर्च में नदियों से तालाबों को जोड़कर खूब पानी उपलब्ध कराया जाता। शायद तालाबों पर कब्जा करने वाले, बड़ी योजनाओं में ठेके और अधिग्रहण से मुआवजा पाने वालों को यह रास नहीं आया।

किसानों को भड़काने का काम न कीजिए

बीरेंद्र सिंह राव,तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री

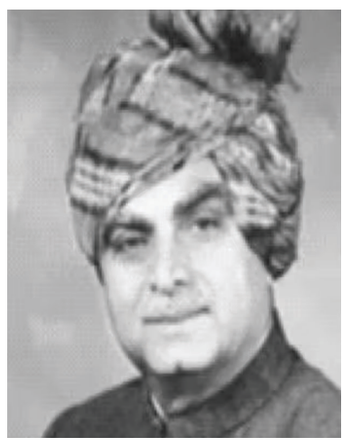

महोदय, बड़ा दर्द है इनके दिल में किसानों के लिए, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि यही लोग पिछली सरकार में बैठे थे, तब इन्होंने क्या किया किसानों के लिए? कौन सा शोर मचाया और कौन सा सवाल उठाया था? ये किसानों को मारते रहे और खुश होते रहे और आज ये हमसे सवाल करते हैं? तीन साल के अंदर ही इन्होंने किसानों का सत्यानाश करके रख दिया और आज किसानों के हमदर्द बन रहे हैं?

...मैं सिर्फ किसान हूं और कुछ नहीं और किसान की आमदनी का खाता हूं और मेरी आमदनी किसी दूसरी चीज से नहीं है। न दुकान है, न धंधा है और न किराया मैं खाता हूं। न व्यापार है और न फैक्टरी है और आप लोगों के कई-कई धंधे हैं, इसलिए किसान की बात मैं ज्यादा जानता हूं, आपसे ज्यादा जानता हूं। ...

मैं मानता हूं कि दाम निर्धारण में अभी हम समानता पैदा नहीं कर सके हैं, लेकिन समानता लाने का उसूल भी इसी सरकार ने अपनाया है पहली बार। ...हमने एग्रीकल्चर प्राइसेज कमीशन को हुक्म दिया है कि वह इसका ध्यान रखे। हम कृषि उत्पादन और दूसरे उत्पादनों में कुछ न कुछ समानता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, यह काम आपने कभी नहीं किया।...

महाराष्ट्र में, नासिक में, गुजरात में और दूसरी जगह कितने आदमी मरे या कितने कैद किए गए, यह मेरा काम नहीं है। मेरा काम किसानों की बातों का जवाब देना है। किसान और किसानों के दोस्तों को समझाने की कोशिश करना है, लेकिन मुझे अफसोस जरूर है इस बात का कि जहां हमने किसानों को सबसे ज्यादा फायदा दिया, उनकी सबसे अधिक सेवा की, नासिक के इलाके में, यह विरोध प्रदर्शन वहीं से जोर पकड़ गया। हमने छह करोड़ रुपये नेफेड को दिए प्याज की खरीद के लिए, प्याज सड़ रहा था, उसे कोई पूछता नहीं था, हमने 45 और 60 रुपये के दरमियान प्याज की खरीदी शुरू करवाई और उसका सबसे ज्यादा फायदा नासिक के किसानों को पहुंचा। आज नासिक के वही किसान अगर विरोध प्रदर्शन करें, तो दुख जरूर होता है और अफसोस यह होता है कि वे भड़काने में आ जाते हैं।...

महाराष्ट्र में गन्ने की कीमत के बारे में कोई वजह नहीं है कि कोई आंदोलन हो, पंजाब में कोई आंदोलन नहीं, हरियाणा में नहीं, उत्तर प्रदेश में नहीं, बिहार में नहीं, ... पंजाब में जो आंदोलन हुआ, वह बस भाड़ा के लिए था। आप कहते हैं, यह राजनीति से प्रेरित नहीं है, जॉर्ज फर्नांडिस यहां चलते सत्र के बीच से उठकर क्या कर रहे हैं? क्या यह राजनीति प्रेरित नहीं है? नारायण स्वामी तमिलनाडु से आकर पंजाब का एक हफ्ते का चक्कर लगा गए हैं, वह राजनीति के लिए नहीं आए थे, तो क्या किसान के खेतों में पानी देने के लिए आए थे?...

महाराष्ट्र में गन्ने के मूल्य पर किसानों को असंतोष हो, इसकी कोई वजह नहीं है। वहां गन्ने का प्रति हेक्टेयर उत्पादन देश में सबसे ज्यादा है। ...वहां शूगर की रिकवरी का रेट सारे देश में सबसे ज्यादा है। ...वहां किसानों को गन्ने की सबसे ज्यादा कीमत मिल रही है, ...महाराष्ट्र का किसान कैसे कह सकता है कि वहां गन्ने की मुनासिब कीमत नहीं है? ये सब चीजें भड़काने की वजह से हुई हैं। हम अपने किसानों को समझाएंगे। उनसे हम बात करेंगे। उनकी जो उचित बात होगी, उसको सुनेंगे भी।... प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों को हिदायत दी है कि किसानों के साथ हमदर्दी का सलूक किया जाए, उनसे बातचीत की जाए। यह किसानों की भोली कौम है।

मैं सदन को आश्वासन देना चाहता हूं कि सरकार किसानों को लाभदायक मूल्य दिलाने के लिए सब कुछ करेगी। ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय की ग्रामीण विकास की सभी योजनाएं कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए ही हैं। किसानों के कल्याण के लिए, बढ़े हुए उत्पादन के लिए प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। मुझे उम्मीद है, किसान समझ गए होंगे कि यह सरकार बहुत-सी कठिनाइयों एवं बाधाओं के बावजूद उनकी दशा सुधारने के लिए सब कुछ कर रही है तथा उन्हें अच्छे मूल्य, अच्छा प्रोत्साहन तथा उर्वरकों, बीजों, कीटनाशक दवाओं, बिजली, पानी की दरों तथा कई अन्य बातों में अधिक राज-सहायता दी जाएगी। मैं समझता हूं कि किसान यह जानते हैं कि केवल हमारी सरकार उनकी हितैषी है और ये तथाकथित नेता और शोषक ही आंदोलन कर रहे हैं, जो वस्तुत: उनके मित्र नहीं हैं। ये लोग किसानों की भावनाओं से खेलकर उन पर हावी नहीं हो पाएंगे।

(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन से)

भारतीय कृषक समाज सबसे ज्यादा परेशान

राजेंद्र प्रसाद यादव, वरिष्ठ नेता व सांसद

अध्यक्ष जी, हिन्दुस्तान किसानों का देश है और यहां की 90 प्रतिशत जनता खेती पर या उससे संबंधित कार्यों पर निर्भर करती है, इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि यदि हिन्दुस्तान के किसानों की हालत अच्छी होगी, तो मुल्क की हालत भी अच्छी होगी, ...लेकिन बदकिस्मती यह है कि आज हिन्दुस्तान का किसान सबसे ज्यादा, शोषित, प्रताड़ित और परेशान है। उनकी हालत आज बदतर है। मंत्री जी शायद इस बात को जानते होंगे, शायद किसी गांव से अभी भी उनका वास्ता होगा, कि गांव के लोग आज शहरों की ओर भाग रहे हैं, क्यों भाग रहे हैं? इसके कारण की ओर आपको देखना होगा। जाहिर है, न उन्हें वहां प्रतिष्ठा मिलती है, न सम्मान मिलता है और न पैसा ही मिलता है, यही कारण है कि आज लोग गांव से शहर की ओर भाग रहे हैं।

...हमें खुशी है कि आज हिन्दुस्तान के किसान ने अपने हक को पहचाना है और उसे पाने के लिए संघर्ष का फैसला किया है। ...हिन्दुस्तान का किसान जागा है। अभी मंत्री महोदय ने कहा कि उन्होंने कुछ चीजों के दाम बढ़ा दिए हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इन्होंने क्या दाम बढ़ाया है। जो आंकड़े इनके द्वारा दिए जाते हैं, ये गत साल और इस साल के तुलनात्मक दिए जाते हैं। ...मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप केवल आंकड़ों की बाजीगरी में लगे रहेंगे कि गत साल क्या था और इस साल क्या मिलने वाला है या आप इस ओर भी ध्यान देंगे कि वास्तव में दाम बढ़ाने से कुछ नहीं होगा। ...आपको यह भी देखना होगा कि किसानों को जो सामान खरीदने पड़ते हैं, उनके दाम कितने प्रतिशत बढ़े हैं? यदि आप इस ओर ध्यान देंगे, तो पाएंगे कि किसानों की हालत बहुत खराब है। ...यदि यही चलता रहा, तो जिस तरह से किसान अपने हक के लिए खड़े हो रहे हैं, समस्या और उलझेगी। ...किसान अपने उत्पादन, जैसे खाद्यान्न, तेल, सब्जी, दूध, फ्ल, रुई, तंबाकू, गन्ना इत्यादि को बेचता है, तो उसके दाम का सूचकांक 204 है, पर खरीदने वाली चीजें जैसे, उर्वरक, कीटनाशक दवाइयां, डीजल, ट्रैक्टर्स, बर्तन, चमड़े का सामान, कपड़े आदि की कीमतों का सूचकांक 284 है। ...आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उस मुल्क का किसान, जिसे 40 प्रतिशत दाम ज्यादा देना पड़ता हो, कैसे संतुष्ट होगा?

आज महाराष्ट्र का सवाल उठा है, आप यदि महाराष्ट्र में जाकर देखेंगे, तो जहां ये विरोध प्रदर्शन हुए हैं, ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं और जहां ज्यादा गोलियां चली हैं, ये वहीं पर चली हैं, जहां से इनकी इंदिरा कांग्रेस का सफाया हो गया है, ...इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि राजनीति से प्रेरित इनकी भावना है या किसान की भावना?

आज महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात तथा अन्य प्रदेशों में यह आंदोलन शुरू हो गया है और यदि मंत्री महोदय ने इसी तरह इसको नजरअंदाज किया, इसको राजनीति से प्रेरित कहा, तो मैं चेतावनी देना चाहता हूं, मुमकिन है कि मुल्क का किसान अब जाग उठे और वह आप जैसी कितनी सरकारों को उठाकर फेंक देगा। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस पर सहिष्णुता से विचार करना चाहिए, उनकी जो मांगें हैं, वे उचित हैं या नहीं, यह देखने की जरूरत है। ...महाराष्ट्र के आंदोलन में कितने लोग मारे गए और कितने घायल हुए तथा कितने गिरफ्तार हुए?...

आपका किसानों के लिए आठ-आठ आंसू बहाना व्यर्थ है। मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इस समस्या का समाधान शक्ति से नहीं, बल्कि सुहृदयता से करना होगा, किसानों की जो वाजिब मांगें हैं, उनको मद्देनजर रखकर सरकार को फैसला करना होगा, उनको लागत दाम देना होगा। ...मैं जानना चाहता हूं कि सरकार उनको लागत दाम दिलाने के लिए क्या कर रही है? ...जब आपने सपोर्ट प्राइस तय की है और उससे ज्यादा दाम बाजार में हैं, तो फिर आप ने सपोर्ट प्राइस या समर्थन मूल्य को किस आधार पर तय किया है?

आप के एग्रीकल्चर प्राइस कमीशन के जो सदस्य हैं, उनको वास्तव में कागज पर ही कृषि की जानकारी है या क्या उन्होंने वास्तव में गांव, किसानों को देखा है? यदि देखा है, तो वे किस आधार पर मूल्य तय करते हैं? ...मैं आग्रह करना चाहूंगा, एग्रीकल्चर प्राइस कमीशन में ऐसे लोगों को ज्यादा संख्या में रखें, जिन्हें गांव की जानकारी, देश की जानकारी हो, किसान की दिक्कतों की जानकारी हो। मैं चाहता हूं कि मंत्री महोदय इन सब बातों का विस्तार से जवाब दें।

(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन से)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

नौ लोगों को मिला उज्जवला गैस

रिसाली। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तीसरे चरण में शुक्रवार को रिसाली निगम के तालपुरी और प्रगति नगर में शिविर लगाया। महापौर शशि सिन्हा ने अंतिम छोर पर रहने वालों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से शिविर लगाने की बात कहीं। अलग-अलग स्थानों पर लगाए शिविर में लगभग 25 सौ लोग पहुंचे थे। महापौर शशि सिन्हा ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर के माध्यम से न केवल शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार हो रहा है, बल्कि हितग्राहियों को लाभ भी मिल रहा है। शिविर में आधार कार्ड अपडेट से लेकर लगभग दस योजनाओं का स्टॉल लगाया गया था। महापौर ने शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर की। इस अवसर पर पार्षद सविता ढवस, जमुना ठाकुर, ममता यादव, सारिका साहू, टिकम सिंह, धर्मेन्द्र भगत,रमा साहू शैलेन्द्र साहू, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर,मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेण्डे, राजू जंघेल, दशरथ साहू, विक्की सोनी, अजीत चैधरी आदि उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत निगम सचिव रोहित साहू व जगरनाथ कुशवाहा ने किया। शिविर में आधार अपडेट और त्रुटि सुधार कराने वालों की संख्या अधिक थी। प्रगति नगर में दिव्यांग घनश्याम सोनी के पहुंचने पर आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश पर दिव्यांग का प्राथमिकता के आधार पर अपडेट कराया गया। शिविर में महापौर और अतिथियों ने तालपुरी शिविर में बुधयारिन बाई, राधिका बाई, एवं प्रगति नगर शिविर में राजेश्वरी कोसरे, ज्योति साहू, हितेश्वरी यादव, सविता निषाद, टोमिन साहू, संगीता सिहारे व महेश्वरी को गैस चुल्हा व सिलेण्डर दिया गया।

महतारी वंदन योजना का दावा आपत्ति सूची प्रकाशित

भिलाई। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत भिलाई निगम क्षेत्र से लगभग 80 हजार महिलाओ ने योजना से लाभान्वित होने आवेदन जमा किया है। जिसका 23 फरवरी को दावा आपत्ति सूची का प्रकाशन भिलाई निगम के सभी जोन कार्यालय एवं 148 आंगनबाड़ी केन्द्रो में किया गया है। हितग्राही तीन दिवस के भीतर अपने आवेदन के संदर्भ में सूची का अवलोकन कर अपना दावा आपत्ति पत्र नजदीक के आंगनबाड़ी केन्द्रो मे जमा कर सकते है। निगम भिलाई क्षेत्र में योजना के नोडल अधिकारी प्रीति सिंह एवं परियोजना अधिकारी शिल्पा तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया की भिलाई निगम क्षेत्र से कुल 80 हजार आवेदन महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होने प्राप्त हुए है, जिसका ऑनलाईन प्रविष्टी किया गया है। दावा आपत्ति सूची का प्रकाशन 23 से 25 फरवरी तक नगर निगम के सभी जोन कार्यालय एवं निगम क्षेत्र के 148 आंगनबाड़ी केन्द्रो में किया गया है।

एनएसजी की टीम ने राजधानी में किया काउंटर टेररिज्म अभ्यास

रायपुर। रायपुर जिले में नेशनल सिक्योरिटी गॉर्ड (एन.एस.जी.) की टीम द्वारा दिनांक 21 से 23 फरवरी तक तीन दिवसीय काउंटर टेररिज्म अभ्यास किया गया। यह अभ्यास नया रायपुर स्थित सर्किट हाउस, मंत्रालय भवन एवं तेलीबांधा स्थित मैग्नेटो मॉल में किया गया। एनएसजी के तीन दिवसीय ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रायपुर में आतंकी हमला होने एवं होस्टेज सिचुएशन से निपटने राज्य पुलिस एवं एनएसजी की तैयारी का अभ्यास करना रहा। इस अभ्यास में मुंबई एवं दिल्ली के 150 से अधिक एनएसजी ब्लैक कैट कमांडो ने हिस्सा लिया। राज्य की ओर से रायपुर पुलिस के 200 से अधिक अधिकारी एवं जवान तथा स्पेशल टास्क फोर्स की दो टीमों ने हिस्सा लिया।

सभी वर्गों के समावेशी विकास की दिशा में कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकारः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव के शुभारंभ में पहुंचे। समारोह में उन्होंने मैनपाट को पर्यटन की दिशा में और सुदृढ़ करने की बात कही, ताकि लोग सनातन और बौद्ध धर्म दोनों के समागम स्थल में सुकून की अनुभूति महसूस करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के सभी वर्गों के समावेशी विकास की दिशा में कार्य कर रही है। श्री साय ने माताओं एवं बहनों का भी अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रदेश भर की महिला शक्ति को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महतारी वंदन योजना के तहत राशि मिलना शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा।

प्रदेश भर से 70 लाख महिलाओं ने इसका फॉर्म भरा है और फॉर्म भरने की प्रक्रिया आगे भी प्रारंभ रहेगी, ताकि हमारी पात्र माताओं एवं बहनों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार हर छत्तीसगढ़िया के भांजे श्री राम के दर्शन का सपना पूरा करेगी। साथ ही चरण पादुका योजना को फिर से शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मैनपाट महोत्सव में नर्मदापुर में झंडा पार्क की स्थापना के लिए एक करोड़ की घोषणा की। साथ ही मैनपाट महोत्सव आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 50 लाख रुपए की घोषणा की। इस अवसर पर सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज एवं अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का तिब्बती शरणार्थी बंधुओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में तिब्बती परम्परा से आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा साईक्लिंग सहित कई एडवेंचर स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया। महोत्सव के दौरान नौकायन, जूमरिंग, आर्चरी, पतंग उत्सव, राज्य स्तरीय साइकिल रेस, पैरा सीलिंग, वैली क्रासिंग, हैंगिंग बॉल सहित अन्य रोमांचक खेलों का आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मैनपाट महोत्सव में विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया जहां विभागीय योजनाओं पर आधारित जीवंत मॉडल बनाए गए हैं। विभागों द्वारा स्टॉल में कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत कृषि विकास पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। पशुपालन विभाग द्वारा हर घर कुक्कुट पालन, रेशम विभाग द्वारा टसर धागाकरण, वन विभाग द्वारा वन सम्पदा, जल संसाधन विभाग द्वारा घुनघुट्टा डेम, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन से समृद्धि, आदिवासी विकास विभाग द्वारा देवगुड़ी पर आधारित, जीवंत मॉडल बनाया गया।

इसी तरह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा हर घर नल पर आधारित, शिक्षा विभाग द्वारा पीएम श्री योजना, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना एवं महिला सशक्तिकरण तथा अंत्याव्यवसायी विभाग, समाज कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा, कृषि विज्ञान केंद्र, केंद्रीय जेल द्वारा कैदियों द्वारा बनाए गए विभिन्न काष्ठ शिल्पों, सीएसपीडीसीएल, हथकरघा के स्टॉल लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इसमें कृषि विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, उद्यान विभाग द्वारा पावर स्प्रेयर, पशुधन चिकित्सा विभाग द्वारा बैकयार्ड कुक्कट इकाई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, मत्स्य पालन विभाग द्वारा नाव जाल योजना और फुटकर मछली विक्रय योजना, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, शिक्षा विभाग द्वारा स्थाई कोरवा जाति प्रमाण पत्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, खाद्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, श्रम विभाग द्वारा असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना, अंत्यवसाई विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति आदिवासी महिला सशक्तिकरण, स्मॉल बिजनेस योजना, अंत्योदय स्वरोजगार योजना और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के 05-05 हितग्राही शामिल रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को वन मंत्री ने वन विकास निगम की लाभांश राशि 2.26 करोड़ रूपए का चेक सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में वन मंत्रीकेदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के लाभांश की राशि 2 करोड़ 26 लाख रुपए का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री श्री साय ने वन विकास निगम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि वन विकास निगम राज्य में हरित क्षेत्र के प्रसार और पर्यावरणीय विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

निगम ने किसी भी वित्तीय संस्थान से कोई ऋण भी नहीं लिया है। यह लाभ कमाने वाली सरकारी संस्था है। वन विकास निगम की यह उपलब्धि सराहनीय है और अन्य संस्थाओं को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए वन मंत्री, तथा वन विभाग और छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कार्यों और उपलब्धियां की विस्तार से जानकारी दी। छत्तीसगढ़ वन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री तपेश कुमार झा ने बताया कि वन विकास निगम भारत

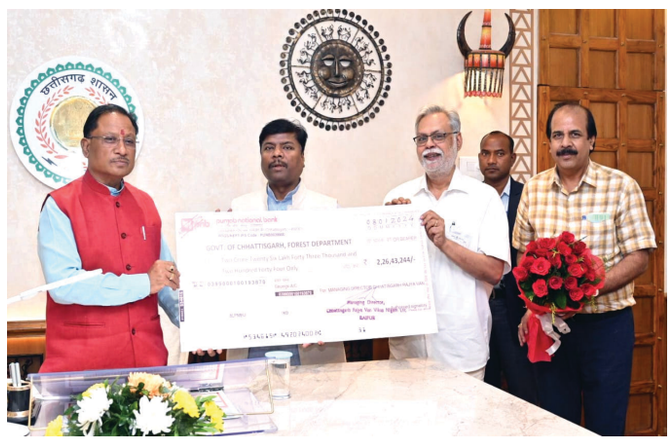

सरकार द्वारा स्वीकृत कार्ययोजना अंतर्गत रोपित सागौन वृक्षारोपण के विरलन से प्राप्त वनोपज के विक्रय एवं अन्य आय से वित्तीय वर्ष 2022-23 में 69 करोड़ 44 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई है। इस अवधि में निगम को कर पश्चात 52 करोड़ 65 लाख का रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। वर्ष 2022-23 में निगम द्वारा 1319 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 लाख 98 हजार सागौन तथा प्रदेश में पर्यावरण सुधार हेतु डिपोजिट रोपण योजना अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों से प्राप्त राशि से 8 लाख 82 हजार मिश्रित प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया है।

वन विकास निगम में वृक्षारोपण के विरलन से वित्तीय वर्ष 2022-23 में 15,653 घनमीटर ईमारती काष्ठ, 10 लाख नग बल्ली, 10,804 नग जलाऊ चट्टा तथा 426 नोशनल टन औद्योगिक बांस एवं 2,01,588 नग व्यापारिक बांस का उत्पादन हुआ है। वन विकास निगम द्वारा संपादित किये जा रहे कार्यों से राज्य के वनांचलों में वनवासियों एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के ग्रामीणों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ और उन्हें सतत् रोजगार का अवसर मिल रहा है। निगम द्वारा बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्थान से कोई ऋण भी नहीं लिया गया है, न ही निगम को राज्य शासन से कोई अनुदान प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वन विकास निगम राज्य में हरियाली के प्रसार एवं पर्यावरणीय विकास के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रहा है।

वन विकास निगम द्वारा बिगड़े वनों में औद्यौगिक एवं व्यापारिक दृष्टि से उपयोगी और तेजी से बढ़ने वाली मूल्यवान वृक्षों की प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाता है और इन्हें हाई वैल्यू वनों के रूप में विकसित किया जाता है । इन वनों में मुख्य रूप से सागौन का रोपण किया जाता है, रोपण के 11, 16, 21 वर्ष बाद केंद्र सरकार की योजना और अनुमति के आधार पर इन प्लांटेशन वाले क्षेत्र से जिन वृक्षों की गुणवत्ता अच्छी नहीं होती उनकी कटाई कर उसकी लकड़ी को बेचा जाता है। मुख्य रूप से वन विकास निगम की आय इसी से होती है। हर साल औसतन लगभग 70 करोड रुपए का रेवेन्यू वन विकास निगम को प्राप्त होता है। सागौन की लकड़ी गुणवत्ता के हिसाब से 30 से 40 हजार रुपए प्रति घन मीटर से लेकर एक लाख रुपए प्रति घन मीटर की कीमत पर ओपन ऑक्शन से बिक्री होती है। एसईसीएल, बीएसपी आदि के संसाधनों से वनों का विकास वन विकास निगम द्वारा किया जाता है। वन विकास निगम द्वारा काफी कम कीमत पर औद्योगिक क्षेत्र और शहरी क्षेत्र जैसे नवा रायपुर में भी वृक्षारोपण किया गया है।

राजनांदगांव में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए बने सीआरसी सेंटर का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ. वीरेन्द्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता केन्द्रीय राज्य मंत्री ए. नारायणस्वामी एवं विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन डॉ. रमन सिंह की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थिति में सांसद संतोष पाण्डेय ने 32 करोड़ रूपए की लागत से राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ठाकुरटोला में नवनिर्मित दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) के नये भवन का उद्घाटन किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि राजनांदगांव जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण है। यहां दिव्यांगजनों के लिए समेकित क्षेत्रीय केन्द्र भवन का निर्माण किया गया है। यहां दिव्यांगजनों के लिए सभी प्रकार के यंत्र, प्रशिक्षण, पालकों को प्रशिक्षण और सभी प्रकार की व्यवस्था इस अत्याधुनिक भवन में व्यवस्थित रूप से की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का इस भवन निर्माण के लिए लगातार प्रयास रहा है। आज राजनांदगांव जिले को नये भवन की सौगात मिली है।

जिसमें केवल राजनांदगांव ही नहीं पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। यहां दिव्यांगजनों को सभी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विकसित भारत बनाने के लिए तथा विश्व में अग्रणी देश बनाने के लिए जो संकल्प लिया है। हम सब उसमें सहभागी और सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास हम सब भागीदारी बनेंगे।

वन मंत्री केदार कश्यप के विभागों के लिए 5608 करोड़ रूपए से अधिक की अनुदान मांगे ध्वनिमत से पारित

'हरियर छत्तीसगढ़' योजना में 2431 हेक्टेयर में 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, सहकारिता एवं कौशल विकास मंत्री केदार कश्यप के विभागों के लिए 5608 करोड़ 54 लाख 69 हजार रूपए की अनुदान मांगें छत्तीसगढ़ विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दी गई। इनमें वन विभाग के लिए 2832 करोड़ 30 लाख 64 हजार रूपए, सहकारिता विभाग के लिए 254 करोड़ 76 लाख 57 हजार रूपए, जल संसाधन विभाग के लिए 1413 करोड़ 26 लाख 58 हजार रूपए, लघु सिंचाई निर्माण कार्य हेतु 698 करोड़ 19 लाख 90 हजार रूपए, जल संसाधन विभाग से संबंधित विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 57 करोड़ रूपए और नाबार्ड से सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 353 करोड़ एक लाख रूपए शामिल हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में कहा कि प्रदेश में लगभग 44.24 प्रतिशत वन क्षेत्र हैं। यहां मुख्यत: आर्द्र एवं शुष्क साल और सागौन प्रजाति के वनों के साथ ही शुष्क मिश्रित वन एवं बांस

के वन पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही आदिवासी भाईयों की चिंता करते हुए उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्रयत्नशील है। इसके लिए 2832 करोड़ रूपए से भी अधिक की राशि का बजट प्रावधान अगले वित्तीय वर्ष में किया गया है। प्रदेश में हरियाली के प्रसार हेतु वन क्षेत्रों में 'हरियर छत्तीसगढ़' योजना के तहत 2431 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 लाख से अधिक पौधे लगाने की योजना पर कार्य कर रही है। प्राकृतिक पुनरोत्पादन के संरक्षण के लिए 240 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। इसी तरह बांस वनों के संवर्धन के लिए 68 करोड़ 89 लाख रूपए और बिगड़े वनों के सुधार के लिए 272 करोड़ 4 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। नदी तट वृक्षारोपण योजना के तहत नदी तटों पर भू-क्षरण रोकने के उद्देश्य से अधिक से अधिक पौधों के रोपण हेतु वर्ष 2024-25 में 7 करोड़ 47 लाख रूपए का प्रावधान है। भू-संरक्षण एवं बाढ़ नियंत्रण संबंधी कार्य हेतु 119 करोड़ 27 लाख रूपए, पर्यावरण वानिकी के लिए 40 करोड़ रूपए, पथ वृक्षारोपण के लिए 7 करोड़ रूपए, वन मार्गों पर रपटा एवं पुलिया निर्माण के लिए 8 करोड़ 60 लाख रूपए का प्रावधान इस बजट में किया गया है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार वनों में मवेशियों के चारागाह हेतु चराई इकाईयों और घास मैदानों की स्थापना के लिए भी विशेष कार्य कर रही है। मवेशियों के लिए स्थायी चारागाह की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी इस बजट में प्रावधान किया गया है। सरकार इसके साथ ही वन विज्ञान केन्द्रों की स्थापना तथा नैसर्गिक वन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष तौर पर प्रयासरत हैं। राज्य के राष्ट्रीय उद्यानों, अभ्यारण्यों, टाइगर रिजर्व सहित अन्य क्षेत्रों में स्थापित पर्यावरण चेतना केन्द्रों, नेचर सफारी और पर्यटन स्थलों के आसपास स्थानीय निवासियों को रोजगार देने तथा संबंधित वन समितियों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानीय युवकों को राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त संस्थाओं जैसे जंगल लाजेस एण्ड रिसार्ट कर्नाटक, बाम्बे नेचुरल, हिस्ट्री सोसायटी से नेचर-गाइड के रूप में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

मंत्री केदार कश्यप ने सदन में कहा कि राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इको-टूरिज्म का चलन बढ़ा है। राज्य के नैसर्गिक पर्यटन केन्द्रों को इको-टूरिज्म के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से इको-टूरिज्म बोर्ड की स्थापना किया जाएगा। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि कैम्पा कार्यों के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एक हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हाथी-मानव द्वंद के प्रति भी काफी चिंतित है। हाथी-मानव द्वंद को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने राजिम कुंभ कल्प और शिवरीनारायण मेला की दी बधाई और शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज 24 फरवरी से शुरू हो रहे राजिम कुंभ कल्प और शिवरीनारायण मेला की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में आयोजित होने वाला राजिम कुंभ कल्प छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रतीक है। राज्य सरकार राजिम कुंभ की विशिष्टता और भव्यता को उसके मूल स्वरूप में लौटाने जा रही हैं। इसके लिए 'राजिम माघी पुन्नी मेला' को 'राजिम कुंभ कल्प' का नाम दिया है। इससे हमारे गौरवशाली सांस्कृतिक परम्पराओं को संरक्षित और संवर्धित होने का अवसर मिलेगा। राजिम कुंभ कल्प इस वर्ष 24 फरवरी माघपूर्णिमा से 8 मार्च महाशिवरात्रि तक आयोजित होगा। इस साल राजिम कुंभ कल्प को रामोत्सव के रूप में मनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम पर सदियों से राजिम कुंभ मेला का आयोजन होता है। बड़ी संख्या में आसपास के राज्यों के लोग भी श्रद्धापूर्वक इस मेले में शामिल होते हैं। यहां छत्तीसगढ़ की धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ लोक संस्कृति के भी दर्शन होते हैं। इस साल राजिम त्रिवेणी संगम में भव्य तैयारियां की जा रही है। यहां देशभर से साधु संत और श्रद्धालुओं का आगमन होगा। राजिम कुंभ कल्प के आयोजन के दौरान तीन पुण्य स्नान होंगे और विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

श्री साय ने कहा कि राजिम की तरह माघ पूर्णिमा के अवसर पर शिवरीनारायण में भी महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के पावन संगम पर मेले का आयोजन होता है। इस मेले में भी लोग बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ शामिल होते हैं। उन्होंने महानदी के तट पर सिरपुर में माघी पूर्णिमा के दिन से शुरू हो रहे सिरपुर महोत्सव की भी शुभकामनाएं प्रदेशवासियों को दी है।

मुख्यमंत्री ने संत रविदास जयंती की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान संत एवं समाज सुधारक संत शिरोमणि रविदास की 24 फरवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत रविदास जयंती की बधाई देते हुए कहा है कि संत रविदास जी ने समाज में एकता और भाईचारा स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से समाज में मानवतावादी मूल्यों की नींव रखी। सामाजिक कल्याण और उत्थान के लिए उनके उपदेश आज भी प्रासंगिक हैं।

राजिम कुंभ कल्प 2024: संगम नगरी राजिम कुंभ कल्प में दिखेगा अयोध्या धाम का वैभव

- रामोत्सव के रंग में रंगेंगे राजिम कुंभ के श्रद्धालु
- तीर्थनगरी राजिम के पवित्र कुंभ में देशभर के संतों का होगा समागम
- मुख्य मंच में होगा अयोध्या धाम का दर्शन
- प्रयागराज कुंभ की तर्ज पर लगेंगे आर्गेनाइज्ड स्ट्रक्चर की दुकानें
- थ्री डी मैपिंग और लेजर शो के जरिये सुंदर रामकथा दिखाई जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की तीर्थ नगरी राजिम में होने वाले कुंभ कल्प में इस बार भारत की सनातन परंपरा की अद्भुत झलक दिखेगी। उत्तराखंड से तमिलनाडू तक भारतभूमि की संतपरंपरा से जुड़े संतों का अद्भुत समागम इस भूमि पर होगा। धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देशन में राजिम कुंभ कल्प के अभूतपूर्व आयोजन की तैयारी जोर-शोर से जारी है। संगम नगरी का दृश्य अयोध्या धाम की तरह होगा। इस बार की थीम रामोत्सव है। मुख्यमंच अयोध्या धाम के रामलला मंदिर की तरह होगा।

धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि मेला परिसर सुगम, सुशासित और सुसज्जित होगा। रामकथा का मंचन श्री डी मैपिंग, लेजर शो आदि के माध्यम से होगा। मुंबई की एक्सपर्ट टीम यह कार्य करेगी। श्री डी प्रोजेक्शन मैप की इस तकनीक से रामकथा का अद्भुत रसपान श्रद्धालु करेंगे। प्रयागराज कुंभ की विशेषता होती है कि यहां दुकानों का आर्गेनाइज्ड स्ट्रक्चर तैयार होता है, जिसका लाभ व्यवसायियों को होता है। राजिम कुंभ में भी इसी तर्ज पर दुकानों की व्यवस्था होगी।

धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि राजिम कुंभ कल्प का शुभारंभ 24 फरवरी को होगा, जो 8 मार्च तक चलेगा। इस भव्य आयोजन में हरिद्वार, काशी, मथुरा, अयोध्या, चित्रकुट समेत देशभर के कई स्थानों से साधु-संत, पीठाधीश्वर, मठाधीश, महात्मा और शंकराचार्य शामिल होंगे। श्रद्धालुओं को राजिम कुंभ के दौरान आवागमन में किसी भी तरीके की दिक्कत ना हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जा रहा है। मेला स्थल में दुकानों को सुव्यवस्थित करके सड़कों को काफी चौड़ा कर दिया गया है। हमने राजिम कुंभ को प्रयागराज कुंभ की तर्ज पर ऑर्गनाइज स्ट्रक्चर तैयार कर दुकानें स्थापित की है, जिससे दुकानदारों को लाभ हो और श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न होने पाएं।

प्राथमिक उपचार के लिए हॉस्पिटल

धर्मस्व मंत्री अग्रवाल ने कहा कि पहले मेला के आयोजन के दौरान मेडिकल कैम्प लगाया जाता रहा है। प्रायः देखा गया है कि इस मेडिकल कैम्प से श्रद्धालुओं को होने वाली स्वास्थ्यगत समस्याओं का त्वरित उपचार नहीं हो पाता था। इस बार मेला स्थल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10-10 बेड के छोटे-छोटे अस्पताल सिापित किए गए हैं, जिसस मरीजों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। रायपुर, गरियाबंद और धमतरी जिले का एक कलस्टर बनाकर स्वास्थ्य कैंप भी मेला स्थल पर लगाया जाएगा।

रामोत्सव की थीम पर होगी भव्य झांकी

धर्मस्व मंत्री अग्रवाल ने कहा कि, राजिम कुंभ में इस बार रामोत्सव थीम पर भव्य झांकी तैयार की गई है। इसमें प्रभु श्री राम के छत्तीसगढ़ में वनवास काल के दौरान पलों को झांकी के माध्यम से बताया जाएगा। झांकी के प्रदर्शन में लेजर लाईट और साउंड इफेक्ट का भी समावेश किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। लक्ष्मण झूले को भी एलईडी लाईट से सजाया गया है। राजिम कुंभ को भव्य स्वरूप देने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है और इसके लिए विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा रही है, ताकि राजिम कुंभ की ख्याति देश-दुनिया में प्रचारित हो।

राजिम कुंभ कल्प के दौरान होगा तीन पुण्य स्नान

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प के दौरान तीन पुण्य स्नान 24 फरवरी माघ पूर्णिमा, 4 मार्च माता जानकी जयंती और 8 मार्च महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर होंगे। श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए वालेंटियर तैनात किए गए है। कुंभ के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए नदी और आसपास की स्थलों की साफ-सफाई के लिए बड़ी संख्या में सफाईकर्मी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला स्थल में बड़ी संख्या में पोर्टेबल टॉयलेट एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है।

राजिम कुंभ में शिशुवती माताओं के लिए बनेगा फिडिंग रूम

धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ में आने वाले सभी आयु वर्ग के लोगों का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है। कुंभ में आने वाली शिशुवती माताओं को अपने बच्चों को स्तनपान कराने के लिए मेला स्थल में फिडिंग रूम भी बनाए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा पहुंचे राम मंदिर, भगवान श्रीराम के किए दर्शन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आरंग प्रवास से वापस लौटते समय शाम को रायपुर के वीआईपी चौक स्थित राम मंदिर पहुंचे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने भगवान श्रीराम जी की पूजा अर्चना की। उन्होंने भगवान से छत्तीसगढ़ प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की है।

दर्शनार्थियों के साथ किया नाश्ता, की बातचीत

उपमुख्यमंत्री ने दर्शन उपरांत मंदिर परिसर के नाश्ता सेंटर में दर्शनार्थियों से बातचीत करते हुए नाश्ता किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से बातचीत कर हालचाल जाना। उन्होंने कहा, भगवान श्री राम का आशीर्वाद इसी तरह हम सब पर बना रहे। छत्तीसगढ़ के सभी वर्गों के समुचित विकास और छत्तीसगढ़ प्रदेश विकास के क्षेत्र में देश में अपना महत्वपूर्ण स्थान स्थापित करे, यही भगवान से हमारी कामना है।

बोर्ड परीक्षार्थियों के भय और तनाव को दूर करने हेल्पलाइन पर 77 फोन कॉल का निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

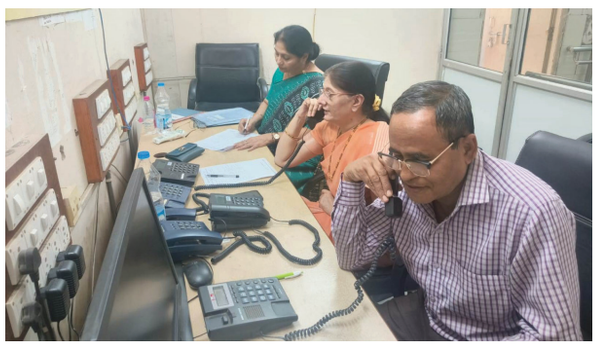

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के परीक्षा संबंधी भय और तनाव को दूर करने के लिए 22 फरवरी से 22 मार्च तक हेल्पलाइन का संचालक किया जा रहा है। हेल्पलाइन में स्थापित टोल फ्री नंबर--+91-18002334363 पर आज 77 फोन काल प्राप्त हुए, इनका निराकरण विषय विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक, मंडल के अधिकारियों द्वारा करते हुए परामर्श दिया गया।

हेल्पलाइन में आज गणित विषय के विषय विशेषज्ञ अखिल खरे ने गणित विषय के परीक्षाओं के तैयारी के संबंध में विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया। मनोचिकित्सक डॉ. वर्षा वरवंडकर द्वारा परीक्षा तनाव संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। हेल्पलाइन में छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों-सक्ति, कोरबा, धमतरी, महासमुंद और अन्य जिलों से विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूंछे गए। इसके साथ ही सीबीएससी बोर्ड, बीए फर्स्ट ईयर के विद्यार्थियों द्वारा हेल्पलाइन में काल कर परीक्षा तैयारी संबंधी प्रश्न पूछा गया। शनिवार 24 फरवरी को भौतिक विषय के विषय विशेषज्ञ विकास गेडम और मनोवैज्ञानिक डॉ. स्वाती शर्मा विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाइन में उपस्थित रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी, हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक परीक्षाओं के संदर्भ में परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व यह हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक हेल्पलाइन में मंडल के टोल फ्री नंबर-18002334363 पर अपनी समस्याओं का समाधन कर सकते हैं। रविवार और अवकाश को छोड़कर हेल्पलाइन में मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक अभिप्रेरक विषय विशेषज्ञ एवं मंडल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

श्री रामलला दर्शन योजनाः हर सप्ताह छत्तीसगढ़ के 850 श्रद्धालु जाएंगे अयोध्या धाम

पर्यटन मंत्री अग्रवाल की उपस्थिति में पर्यटन मंडल और आईआरसीटीसी के बीच हुआ एमओयू

अयोध्या के लिए विशेष ट्रेन से का संचालन 5 मार्च से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति में विधानसभा परिसर में श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और आईआरसीटीसी के बीच विशेष ट्रेन चलाने और आवश्यक व्यवस्था के लिए एमओयू हुआ। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्रीरामलला दर्शन योजना के लिए छत्तीसगढ़ से अयोध्या तक चलाई जा रही विशेष ट्रेन प्रत्येक सप्ताह चलेगी। 12 कोच वाली इस ट्रेन में एक बार में छत्तीसगढ़ के करीब 850 श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन करने अयोध्या जा सकेंगे। इस विशेष ट्रेन का संचालन 5 मार्च से प्रारंभ हो रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार बड़ी तेजी से मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि एमओयू हस्ताक्षर होने के बाद 5 मार्च से ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा। यह एमओयू 3 साल के लिए हस्ताक्षर किया गया है जिसे 2 साल बढ़ाया भी जा सकता है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने बताया कि सभी जिला कलेक्टर हितग्राहियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्राप्त कर उनकी जांच करेंगे और जिलेवार निर्धारित कोटे के अनुसार यात्रियों की सूची तैयार करेंगे। सूची आईआरसीटीसी और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नोडल एजेंसी को भेजी जाएगी। प्रत्येक जिले से 40 यात्रियों पर एक अनुरक्षक भी भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में अयोध्या के साथ-साथ इस ट्रेन के माध्यम से काशी में भगवान विश्वनाथ के दर्शन और प्रयागराज में तीर्थ स्थान की व्यवस्था भी कराई जाएगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक जितेन्द्र शुक्ला और आईआरसीटीसी के उप महा प्रबंधक सुभाष चन्द्र ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। कार्यक्रम में विधायक सुशांत शुक्ला, गोमती साय, डोमेनलाल कोर्सेवाडा, पूर्व विधायक डॉ. कृष्ण कुमार बांधी के साथ ही छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के उप महाप्रबंधक श्रीरंग पाठक, आईआरसीटीसी के एजीएम कौशिक बनर्जी, चीफ सुपरवाइजर भानु प्रकाश, एग्जीक्यूटिव राजीव कुमार भी उपस्थित थे।

साक्षरता मिशन से जुड़ा हर अधिकारी-कर्मचारी स्वयंसेवी बनकर असाक्षरों को पढाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ द्वारा केंद्र प्रवर्तित योजना उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए वेब पोर्टल, उल्लास एप्प में सर्वे हेतु उल्लास मोबाइल एप्प और पोर्टल का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन समग्र शिक्षा के सभागार में किया गया। प्रशिक्षण में देश के लगभग 50 हजार लोगों ने यूट्यूब के माध्यम से आनलाईन भागीदारी की।

संचालक राजेंद्र कुमार कटारा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हमें वास्तविक धरातल पर गुणवत्तापूर्ण लोगों को साक्षर किया जाना है, भले ही उसमें समय लगे, किंतु हम यदि व्यक्ति को साक्षर कर उसे मुख्य धारा में लाएंगे तभी हम उस पीढ़ी के साथ न्याय कर पाएंगे। शिक्षा व साक्षरता से जुड़े प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी शिक्षक अब 10-10 व्यक्तियों को साक्षर करेंगे तभी वह इस कार्यक्रम को सफल कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस दिन ढूढने से भी एक असाक्षर न मिले वो दिन हमारे लिए उपलब्धि का होगा। प्रशिक्षण में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों से उन्होंने अपील किया कि साक्षरता से जुड़ा हर एक व्यक्ति पहले स्वयं स्वयंसेवी बनकर अपने घर, कार्यस्थल के आसपास के असाक्षरों को पढाएं और साक्षर बनाए। संचालक कटारा ने कहा कि राज्य के सभी जिले निर्धारित समय-सीमा के भीतर चिन्हांकित सर्वेयर, अनुदेशक व शिक्षार्थियों का पंजीयन उल्लास एप्प में कर लेंगे ताकि कार्यक्रम का संचालन समयावधि के भीतर किया जा सके। साक्षरता कार्यक्रम के प्रेरकों को इस उल्लास कार्यक्रम में जोड़ने का प्रयास करें, ताकि उनके अनुभव का लाभ इस कार्यक्रम के लिए लिया जा सके। कालेजों, स्कूलों के बच्चों को स्वप्रेरणा से उल्लास कार्यक्रम के अनुदेशक के रूप में जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। बेहतर होगा कि डीएड और बीएड कालेजों के छात्राध्यापकों को प्रोजेक्ट कार्य के रूप में 10-10 असाक्षरों को साक्षर बनाने का कार्य दिया जाय।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

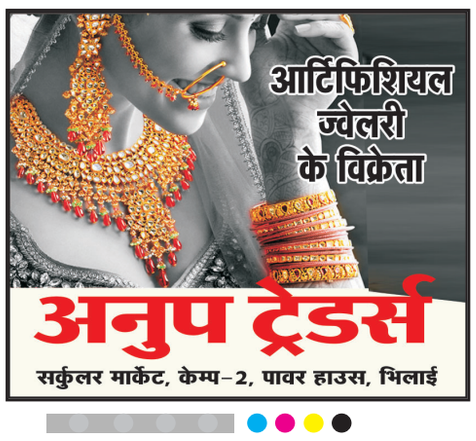

आखिर बाल और नाखून काटते वक्त क्यों नहीं होता दर्द?

हमारी बॉडी के किसी हिस्से में चोट लग जाए या खरोंच आ जाए तो कितना दर्द होता है। कई बार तो ये दर्द इतना ज्यादा होता है कि पेन किलर तक लेनी पड़ जाती है। त्वचा कटने फटने पर भी दर्द होना लाजमी है लेकिन वहीं अपने ही शरीर का हिस्सा होने के बावजूद बाल और नाखूनों के साथ ऐसा नहीं होता। नाखून और बाल काटते वक्त दर्द नहीं होता। लोग इस बात को लेकर अचरज करते हैं लेकिन ये वाकई अजीब बात है। चलिए जानते हैं कि नाखून और बाल काटते वक्त दर्द का अहसास क्यों नहीं होता।

नाखून और बाल काटने पर पेन क्यों नहीं होता

नाखून और बाल काटते वक्त दर्द ना होने के पीछे की वजह डेड सेल्स यानी मृत कोशिकाएं हैं। दरअसल नाखून और बाल दोनों में ही मृत कोशिकाएं मौजूद होती हैं और इनकी वजह से इनको काटते समय दर्द का अहसास नहीं होता। नाखूनों और बालों के डेड सेल्स में किरेटिन नाम का प्रोटीन पाया जाता है जो बिलकुल निर्जीव होता है। इसी कारण जब हम नाखून काटते हैं तो दर्द नहीं होता। लेकिन त्वचा से सटे नाखून के हिस्से में ये प्रोटीन नहीं होता बल्कि यहां पर लाइव सेल्स होते हैं। इसलिए जब हम त्वचा से बिलकुल सटा कर नाखून काटते हैं तो दर्द का एहसास होता है।

यह है वजह

ठीक यही वजह बालों के साथ है। बाल मृत कोशिकाओं यानी डेड सेल्स से बनते हैं। इसलिए इनकी कटाई छंटाई के वक्त दर्द का एहसास नहीं होता। दूसरी तरफ बालों के लिए किरेटिन प्रोटीन जरूरी माना जाता है। अगर शरीर में किरेटिन प्रोटीन की कमी हो जाए तो बालों का झड़ना, रूखा होना और सफेद होना शुरू हो जाता है। इसलिए डॉक्टर सलाह देते हैं कि नाखून और बालों के विकास के लिए पर्याप्त प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। जब शरीर में किरेटिन प्रोटीन होता है तो नाखूनों पर भी असर होता है और नाखून जरा सा काम करने पर कमजोर होकर टूटने लगते हैं।

करीना, तब्बू और कृति सेनन स्टारर फिल्म क्रू का फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ रिलीज

29 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन राजेश कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म द क्रू को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों इस फिल्म से फर्स्ट लुक वीडियो जारी कर रिलीज डेट का एलान किया गया था। वहीं, आज इसका फर्स्ट लुक पोस्टर जारी हुआ है, जिसमें करीना, कृति और तब्बू का लुक रिवील किया गया है। ये फिल्म 29 मार्च को रिलीज होगी।

कृति सेनन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म द क्रू से पहला लुक पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में करीना कपूर, तब्बू और कृति एयर होस्टेस के किरदार में नजर आ रही हैं। तीनों अभिनेत्रियां रेड कलर की अपनी फ्लाइट अटेंडेंट वर्दी पहने खूब जच रही हैं। कृति ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, चैक इन के लिए तैयार हो जाइए, अब द क्रू के साथ उड़ान भरने का समय है।

द क्रू फिल्म में करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में तीनों अभिनेत्रियों के अलावा कपिल शर्मा और दिलजीत दोसांझ भी अहम रोल में नजर आएंगे। कॉमेडी किंग कपिल फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को एकता कपूर और रिया कपूर मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। इससे पहले ये दोनों मिलकर फिल्म वीरे दी वेडिंग बना चुकी हैं।

द क्रू की कहानी की बात करें, तो यह फिल्म तीन महिलाओं की कहानी पर आधारित है, जिसमें एयरलाइन इंडस्ट्री के संघर्ष और कठिनाइयों को पेश करने की कोशिश है। करीना, तब्बू और करीना स्टारर फिल्म द क्रू 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि, पहले निर्माता इस फिल्म को 22 मार्च को रिलीज करने की योजना बना रहे थे।

केट शर्मा ने रेड आउटफिट में दिए पोज, एक्ट्रेस की कातिलाना अदा ने यूजर्स को बनाया दीवाना

टेलीविजन अदाकारा केट शर्मा सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव रहती हैं, अपनी सिजलिंग पोस्ट से वे फैंस का दिल अक्सर अपने नाम करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर बेदह सेक्सी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपका दिल धक-धक करने लग जाएगा। केट शर्मा ने रेड कलर का थाई-हाई स्लिट आउटफिट पहना है। लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोद देते दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस की कातिलाना अदाओं ने जैसे यूजर्स पर जादू कर दिया है और वे तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

केट शर्मा इन वायरल हो रही तस्वीरों में बेहद प्यारी लग रही हैं। उनकी इन फोटोज को फैंस खूब शेयर कर रहे है और जमकर कमेंट्स भी कर रहे हैं। केट शर्मा इस तस्वीर में क्यूट सा पोज देती हुई नजर आ रही है, जिसे देखने के बाद फैंस अपना दिल हार बैठे है। केट शर्मा की ये कातिलाना अदाएं लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। उनकी इस तस्वीर पर फैंस दिल वाले इमोजी भेज रहे है। केट शर्मा अक्सर इंस्टाग्राम पर फैंस के लिए अपने फैंस के लिए बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है।

शिवांगी वर्मा म्यूजिकल लव स्टोरी से ओटीटी में डेब्यू करेंगी

छोटी सरदारनी फेम अभिनेत्री शिवांगी वर्मा म्यूजिकल लव स्टोरी से ओटीटी में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को भावनात्मक सफर पर ले जाएंगी। अपने डेब्यू को लेकर शिवांगी ने कहा, ऐसे कई रोंगटे खड़े कर देने वाले क्षण हैं, जो दर्शकों को भावुक कर देंगे। मैं एक इमोशनल इंसान हूं और इसीलिए कहानी से जल्दी जुड़ जाती हूं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकती। मुझे लगता है कि हर कलाकार को कभी न कभी वह जरूर मिलता है, जिसका वह हकदार होता है। मैंने इस वेब शो को निवेदिता बसु के कारण चुना है,क्योंकि मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी। यह शो एक कपल के प्रेम कहानी के साथ उनके दिल टूटने तक के सफर के इर्द-गिर्द घूमता है।

शिवांगी ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि यह एक सुखद एहसास है या दुखद, लेकिन आपकी आंखों से आंसू जरूर निकलेंगे। एक भी सीन में आप अपनी आंखें नहीं झपका पाएंगे। यह शो अतरंगी पर स्ट्रीम होगा।

दुनियाभर में नहीं थम रही शाहिद की फिल्म की कमाई

शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया वैलेंटाइन डे वीक में यानी 9 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। रिलीज के 13 दिनों बाद यह फिल्म ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से भी मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली।

वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अब इसके 13वें दिन का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ गया है। चलिए जानते हैं फिल्म ने अभी तक कितने करोड़ का बिजनेस कर लिया है।

शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर यह फिल्म रोबोटिक ड्रामा लव स्टोरी है। इस मूवी ने देशभर में शानदार ओपनिंग की और दुनियाभर में अभी तक अच्छा खासा बिजनेस किया। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया अब जल्द 150 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने अभी तक दुनियाभर में 117.96 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

वहीं, फिल्म के घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कमाई हर दिन के साथ घटती जा रही है। डोमेस्टिक बिजनेस में इस फिल्म ने अभी तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर नेट कमाई 66.00 तक कर ली है। वहीं इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इंडिया में टोटल ग्रॉस कलेक्शन 75 करोड़ तक का हो गया है।

'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में शाहिद कपूर और कृति सेनन के अलावा डिंपल कपाड़िया, धर्मेंद्र और राकेश बेदी भी मुख्य किरदार में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म की राइटिंग और डायरेक्शन अमित जोशी और आराधना साह ने की है।

बर्नआउट क्या है और ये किन स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है?

भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक थकावट की स्थिति को बर्नआउट कहा जाता है। यह तब होता है, जब हम नकारात्मक भावनाओं, काम और तनाव से इतना घिर जाते हैं कि खुद को नियंत्रित करना ही मुश्किल हो जाता है। यह हमें असफलता और अस्वीकृति की भावना महसूस कराता है। यह सिर्फ भावनात्मक संघर्ष नहीं है, बल्कि इसका शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि बर्नआउट की स्थिति से शरीर पर क्या असर पड़ता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना

बर्नआउट दीर्घकालिक तनाव से जुड़ी स्थिति है। चिंता और तनाव से घिरे रहने से प्रतिरक्षा प्रणाली पर बुरा असर पड़ सकता है। इस वजह से संक्रमणों और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। अगर आप इनसे सुरक्षित रहना चाहते हैं तो तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश करें और डाइट में ऐसी खान-पान की चीजों को शामिल करें, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में मदद कर सकती हैं।

नींद न आना

बर्नआउट की स्थिति में शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी काफी ज्यादा थकावट महसूस करता है और इससे बार-बार मन में बुरे-बुरे ख्याल आते रहते हैं, जिस वजह से नींद आना भी मुश्किल हो जाता है।अगर आपकी नींद बिगड़ती है तो इसके कारण शरीर कई अन्य बीमारियों की चपेट में भी आ सकता है, इसलिए सकारात्मक दृष्टिकोण लाएं।यहां जानिए जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के तरीके।

पाचन से जुड़ी समस्याएं होना

बर्नआउट के कारण हम अपने खान-पान और नींद के पैटर्न पर ढंग से ध्यान नहीं दे पाते हैं। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है, जिससे पाचन में दिक्कत हो सकती है। जब हम बर्नआउट महसूस करते हैं तो इससे एसिड रिफ्लक्स और इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी पाचन से जुड़ी समस्याएं होने की संभावना बढ़ जाती है।

मांसपेशियों में दर्द होना

लगातार तनाव में रहने के कारण शरीर की मांसपेशियों में तनाव महसूस हो सकता है। इससे मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है, खासकर गर्दन और कंधों में। इस स्थिति में सिर दर्द और माइग्रेन होना भी आम है, इसलिए बिना किसी देरी के डॉक्टर से संपर्क करें।यहां जानिए विभिन्न तरह के सिरदर्द, उनके लक्षण और उनसे बचाव का तरीका।

हार्मोनल असंतुलन की रहती है संभावना

लंबे समय तक तनाव और चिंता के संपर्क में रहने से हार्मोनल असंतुलन हो सकता है। बता दें कि हार्मोन शरीर के सभी कार्यों में अहम भूमिका निभाते हैं और जब ये असंतुलित हो जाते हैं तो इनका शरीर की प्रक्रियाओं पर बुरा असर पड़ता है। इस वजह से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। शरीर के मेटाबॉलिज्म का धीमा होना इसके प्रभावों में शामिल हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

विकसित भारत
विकसित छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 34,400 करोड़ रुपए की 10 परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास

दिनांक 24 फरवरी 2024, दोपहर 12:30 बजे

(डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण)

लोकार्पण एवं उद्घाटन

- 15,799 करोड़ रुपए की परियोजना लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-1 (2x800MW)
- 907 करोड़ रुपए की लागत से राजनांदगांव जिले के 9 गांवों के 451 एकड़ क्षेत्र में निर्मित 100 मेगावाट एसी/155 मेगावाट डीसी सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट
- 583 करोड़ रुपए लागत की 2 परियोजनाओं भिलाई में 50 मेगावाट सोलर पावर प्लांट और बिलासपुर- उसलापुर फ्लाईओवर
- रायगढ़ क्षेत्र में 217 करोड़ रुपए की लागत के ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत बरौंद कोल हैंडलिंग प्लांट
- दीपका क्षेत्र में 211 करोड़ रुपए की लागत की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत दीपका कोल हैंडलिंग प्लांट
- रायगढ़ क्षेत्र में 173 करोड़ रुपए की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत छाल कोल हैंडलिंग प्लांट
- अंबिकापुर से शिवनगर तक 52 किलोमीटर लंबाई की सड़क और बनारी से मसनियाकला तक 56 किलोमीटर लंबी सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग- 49)

शिलान्यास

- रायगढ़ में लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-2 (2x800MW) का शिलान्यास

छत्तीसगढ़ को परियोजनाओं से लाभ

- उच्च कार्यक्षमता के साथ कम कोयले में ज़्यादा विद्युत उत्पादन, प्रदूषण में कमी के साथ विकसित होते भारत की ऊर्जा-माँग की पूर्ति
- अक्षय ऊर्जा का उपयोग कर बड़े सौर ऊर्जा प्लांट से शून्य प्रदूषण के साथ राज्य व देश की घरेलू विद्युत माँग की पूर्ति
- रेलवे फ्लाइओवर के निर्माण से अतितीव्र माल ढुलाई संभव जिससे जिंसों की क़ीमत में कमी
- ओपन कास्ट कोल हैंडलिंग प्लांट से शीघ्रता से कोयले का उत्पादन व ट्रांसपोर्ट संभव, बचेगा पैसा और ऊर्जा क्षेत्र को निर्बाध फ्यूल सप्लाई
- राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेंगे अब तक उपेक्षित स्थान, सड़क से आर्थिक उन्नति और विकास

RO-39797/77

NAMO app डाउनलोड करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

छत्तीसगढ़ के विकास को समर्पित डबल इंजन की सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

खास खबर

बेटी की नौकरी लगवाने के नाम पर शिक्षक से 10 लाख की ठगी

अंबिकापुर। महिला व बाल विकास विभाग में बेटी को सुपरवाइजर बनवाने के प्रयास में एक शिक्षक ठगी का शिकार हो गया। शिक्षक को दो लोगों ने मंत्रालय में पकड़ होने की बात कहकर अपने भरोसे में लिया था। झांसे में आकर शहर के मिशन चौक निवासी शिक्षक विनोद कुमार गुप्ता ने किस्तों में दस लाख रुपए दे दिए थे। बाद में बेटी की न तो नौकरी लगी और न ही पैसे वापस मिल सके।

इसके बाद शिक्षक ने मामले की गांधीनगर थाने में रिपोर्ट की। पुलिस ने बताया कि मामले में मिशन चौक निवासी संजय गुप्ता व महासमुंद बागबहार निवासी किशोर कुमार गुप्ता के खिलाफधारा आईपीसी की धारा 420 व 34 के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शिक्षक की बेटी ने पिछले साल महिला व बाल विकास विभाग में निकली सुपरवाइजर के पद पर भर्ती के लिए आवेदन किया था। इसके बाद शिक्षक का संपर्क आरोपियों से हुआ। आरोपियों ने शिक्षक को यह बताया था कि उनका संपर्क सीएम ऑफिस व मंत्रालय में है और वे उनकी बेटी की नौकरी लगवा देंगे। शिक्षक ने बातचीत के बाद कई किस्तों में आरोपियों को करीब दस लाख रुपए दिए। इसमें कुछ राशि कैश तो कुछ राशि चेक से दी गई थी।

बाजार से बाइक व दुकान से 50 हजार ले गए चोर, केस

अंबिकापुर (ए)। शहर से लगे महावीर स्थित साप्ताहिक बाजार से चोरों ने मजदूर की बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने बताया कि अजिरमा निवासी गोपाल अगरिया दो दिन पहले मजदूरी कर बाइक से वापस घर लौट रहा था। रास्ते में महावीर बाजार में बाइक को पार्क कर वह खरीदारी करने लगा। इस दौरान चोरों ने बाइक चोरी कर ली। दूसरी घटना रघुनाथपुर की है, यहां संजय अग्रवाल की दुकान में मंगलवार-बुधवार की मध्य रात में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ताला तोड़कर अंदर घुसे और काउंटर में रखे 50 हजार रुपए लेकर फरार हो गए। प्रार्थी को चोरी के बारे में दूसरे दिन सुबह पता चला। दोनों ही मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

कोयला लोडिंग के लिए खड़े ट्रेलर के केबिन में हुआ शॉर्ट सर्किट, जाम की वजह से नहीं मिली मदद, जलता रहा वाहन

कोरबा (ए)। कोरबा जिले में शनिवार की तड़के सुबह लगभग 4 बजे एक खड़ी ट्रेलर में आग लग गई। यह हादसा कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत थाना चौक से कुसमुंडा खदान प्रवेश करने वाले मार्ग पर 5 नंबर बैरियर के बाहर हुआ। वहीं देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया और थोड़ी ही देर में ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जल का राख हो गया। केवल लोहे और टीन का ढांचा शेष रह गया।

ट्रेलर क्रमांक CG 10 C 6352 के चालक ने बताया कि खाली गाड़ी लेकर कोयला लोड करने देर रात पहुंचा था। तड़के सुबह लगभग 4 बजे लोडिंग के लिए ट्रक कतार में खड़ी हुई थी। वह कुसमुंडा खदान में कोयला लदान के लिए प्रवेश करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान केबिन में शॉर्ट सर्किट हुआ जिस वजह से आग लग गई। वाहन में आग लगने के बाद कुछ समझ आता उससे पहले ही वाहन धू-धू कर जलने लगा। वाहन चालक का कहना है कि आग बुझाने के लिए मदद बुलानी चाही, पर आगे पीछे चारों तरफ ट्रेलरों की कतार लगी हुई थी, ऐसे में मदद मौके पर नहीं पहुंच पाती। इस वजह से ट्रेलर जलता रहा।

जाम की वजह से नहीं पहुंच पाई फायर ब्रिगेड

चालक का कहना है कि आग लगने की सूचना उसने फायर ब्रिगेड और 112 को भी दिया था, लेकिन कोयला लोड करने की होड़ में खदान के अंदर वाहन बेतरतीब खड़ी थी। इसके चलते फायर ब्रिगेड वहां तक नहीं पहुंच सकी और वाहन जलता रहा। इसकी सूचना कुसमुंडा थाना पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंचे घटनाक्रम की जानकारी ली गई।

खनिजों के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई 1 लाख से अधिक का लगा जुर्माना

बिलासपुर। खनिज अमला बिलासपुर द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न माध्यमों से शिकायत-सूचना प्राप्त होने पर 22 से 23 फरवरी 2024 तक खनिजों के अवैध रेत परिवहन के कुल 08 मामलों पर कार्रवाई की गई।

धोबघाट, छतौना, रतखण्डी एवं दोमुहानी क्षेत्रों में जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन के 08 मामलो पर कार्रवाई करते हुए 08 ट्रैक्टर जब्त कर थाना बेलगहना तथा खनिज जांच नाका लावर में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसके अतिरिक्त 16 फरवरी को ग्राम कैमाडीह (सीपत) में अवैध मुरूम उत्खनन कर परिवहन करते हुए 01 नग जेसीबी एवं 04 नग ट्रैक्टर जप्त कर थाना सीपत में सुरक्षार्थ रखा गया। उक्त अवैध मुरूम उत्खनन प्रकरण का निराकरण करते हुए अर्थदण्ड की राशि एक लाख सात हजार आठ सौ रुपए खनिज मद में जमा कराया गया है।

जब्त खनिजमय वाहनों पर खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज अमला द्वारा रेत उत्खनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्रों का भी सतत निरीक्षण किया जा रहा है। उक्त क्षेत्र से यदि अवैध रेत उत्खनन-परिवहन के मामले दर्ज होने पर पुन: एफआईआर अथवा न्यायालय में परिवाद दर्ज कराया जाएगा।

नाबालिग छात्रा का अपहरण और दुष्कर्म

दंतेवाड़ा में स्कूल जा रही लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया मध्यप्रदेश का युवक, आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा जिले की रहने वाली नाबालिग छात्रा की किडनैपिंग और रेप का मामला सामने आया है। आरोपी मध्यप्रदेश का रहने वाला है। गुजरात से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से लड़की को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के बचेली की रहने वाली 16 साल की नाबालिग का मध्य प्रदेश के रहने वाले दलसिंह राजपूत (28) के साथ किसी माध्यम से संपर्क हुआ था। दोनों के बीच फोन पर बातचीत भी हुआ करती थी। लड़की युवक से प्यार करने लगी। युवक ने भी उसे शादी करने का झांसा देकर रखा था।

6 फरवरी की सुबह नाबालिग स्कूल जाने के लिए घर से निकली। इसी बीच रास्ते से युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर चला गया। शाम के जब लड़की स्कूल से घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसे यहां-वहां ढूंढना शुरू किया। देर रात तक उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद अगले दिन 7 फरवरी की सुबह परिजन पुलिस थाने पहुंचे और उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस मामले की जांच में जुटी। पुलिस को पता चला था कि दलसिंह राजपूत नाम का एक युवक उसे अपने साथ ले गया है। पुलिस ने युवक के फोन को ट्रेस किया। साइबर सेल की मदद से लोकेशन का पता लगाया गया। लोकेशन गुजरात के आनंद जिले के बोरसद में मिला। इसके बाद पुलिस टीम बनाई गई और गुजरात रवाना किया गया। यहां एक घर से युवक को पकड़ा गया। लड़की को भी रेस्क्यू कर लिया गया।

दंतेवाड़ा लाने के बाद नाबालिग को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने जब नाबालिग से पूछताछ की, तो उसने बताया कि शादी का झांसा देकर युवक उसे भगाकर ले गया था। यहां लाकर युवक उससे रेप कर रहा था। इसके बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने 23 फरवरी की शाम को इस मामले का खुलासा किया है।

अंध विश्वास फैलाने का मामला: झाड़-फूक के बहाने लोगों में अंधविश्वास फैलाने का आरोप, बाबा पर एफआईआर

बिलासपुर (ए)। देवरीखुर्द में चिल्ला दरबार में झाड़-फूंक की आड़ में अंध विश्वास फैलाने के मामले में संज्ञान लेते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई के लिए कहा और इसका असर पड़ा। पुलिस ने दरबार के संचालक व कथित बाबा पर टोनही प्रताड़ना का केस दर्ज किया है।

पीएम आवास पर बने इस दरबार का वीडियो सामने आया था। इसमें पेटी से युवती व महिला-पुरुषों की की तस्वीरें मिली थीं। पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है। कोतवाली सीएसपी पूजा कुमार के अनुसार, देवरीखुर्द अटल आवास में अवैध गतिविधियां संचालित होने की जानकारी मिली है। शुरूआती जांच में पता चला है कि आवंटित मकान का स्वरूप बदलकर, उसमें झाड़ फूंक किया जा रहा था और लोगों में अंधविश्वास फैलाया जा रहा था। महिलाओं की तस्वीरों वाली वीडियो वायरल होने के बाद से जांच चल रही है।

गुरुवार की रात एक व्यक्ति ने तोरवा थाने में शिकायत करते हुए बताया कि कथित बाबा ने उसे भूत प्रेत का साया कहकर गुमराह किया है। पिछले कुछ समय से वह बीमार था। इस दौरान उसे चिल्ला दरबार के बाबा की जानकारी मिली, तो वह भी पहुंचा। तब उसे भूत-प्रेत बाधा बताया गया। वह लंबे समय से बाबा के दरबार में जाता रहा, पर कोई राहत नहीं मिली। उसका आरोप है कि झाड़-फूंक की आड़ में अंधविश्वास फैलाकर बीमारी ठीक करने का दावा किया जा रहा है।

पीएम आवास में अवैध कब्जा, निगम ने हटाया

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास में कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था। एक मकान पर गुंबदनुमा (चिल्ला दरबार) बना दिया था। यहां झाड़-फूंक व संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं। नगर निगम ने अवैध रूप से रह रहे लोगों को नोटिस जारी कर गुंबद हटा दिया और अवैध निर्माण को मकान मालिक ने खुद तोड़ दिया।

गृहमंत्री के ट्वीट पर कलेक्टर व पुलिस ने कार्रवाई की दी जानकारी

इस मामले को लेकर उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने सोशल मीडिया में बिलासपुर पुलिस को ट्वीट कर तत्काल कार्रवाई कर सूचित करने के लिए कहा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि किसी भी गैरकानूनी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पर कलेक्टर अवनीश शरण ने रिट्वीट करते हुए लिखा है कि प्रकरण संज्ञान में आते ही पूरे मामले की विस्तार से बिलासपुर पुलिस जांच कर रही है और जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई करेगी। इसके बाद बिलासपुर पुलिस ने भी जवाब देते हुए लिखा है कि मामले में उन्होंने टोनही प्रताड़ना अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है और विस्तृत जांच जारी है।

आबकारी विभाग की कार्यवाही: 35 लीटर कच्ची महुआ शराब और लाहन 3 हजार किलो जब्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़। आबकारी आयुक्त सह सचिव आर संगीता के निर्देश और उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता रायपुर अनिमेष नेताम एवं जिला आबकारी अधिकारी सोनल नेताम के मार्गदर्शन में सरसीवा के आबकारी टीम ने कच्ची महुआ और महुआ लाहन को जब्त किया। बकारी टीम को सूचना मिली कि ग्राम सलोनीकला सबरया डेरा में महानदी के किनारे भारी मात्रा में अवैध कच्ची महुआ शराब का निर्माण किया जाता है तथा आसपास के क्षेत्रों में इसको विक्रय किया जाता है। सूचना की पुष्टि होने पर आबकारी टीम के साथ ग्राम सबरया डेरा में पहुंचे। महानदी के किनारे पानी में 02 सफेद रंग के डिब्बा में, प्रत्येक में 10 -10 लीटर एवं 01 नीले रंग के डिब्बा में 15 लीटर, कुल 35 लीटर कच्ची महुआ शराब को जब्त किया गया। महुआ लाहन जो की जूट के बोरे के अंदर पालीथीन में भरकर एवं प्लास्टिक की झिल्ली में प्रत्येक में भरी 30-30 किलोग्राम के 100 नग कुल मात्रा 3000 किलोग्राम को जब्त किया गया। कच्ची महुआ शराब को कब्जा में लिया गया और विधिवत रूप से महुआ लाहन का नष्टीकरण किया गया। अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम धारा 34(1)(क) (च)34(2) का, प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। यह कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक विपिन पाठक, सुरक्षा गार्ड लोचन साहू तथा ड्राइवर रामदुलार पटेल का विशेष योगदान रहा।

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क./11/अ-20(1)/वर्ष 2023-24

आवेदिका श्रीमती ग्लोरी एस. पारकर पति स्व. सेम्युएल पारकर निवासी मैत्रीकुंज वेस्ट रिसाली भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित भूखण्ड क्रं. एम.आई.जी 2/166 आवेदिका के ससुर स्व. बेसिल पारकार को भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के द्वारा आबंटित किया गया था। आबंटिती बेसिल पारकर की मृत्यु दिनाक 10.04.2008 को तथा उनकी पत्नि एवं पुत्री की भी मृत्यु हो चुकी है। आवेदिका के पति सेम्युएल पारकर उक्त मकान में निवासरत थे एवं आवेदिका सेक्टर 7 भिलाई में थी। सेम्युएल पारकर की मृत्यु दिनांक 25.01.2010 को होने के बाद उक्त मकान में उनके द्वारा ताला लगाया था, जिसे एम.डी.कुंजाम उर्फ मोजेस डेविड कुंजाम ने मकान का ताला तोडकर कब्जा कर लिया और बेसिल पारकर का फर्जी वसीयतनामा प्रस्तुत कर उक्त मकान को अपने नाम पर नामान्तरण करवाकर पट्टा अपने नाम पर जारी करवाकर उक्त भूखण्ड से संबंधित अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करवाकर लिया। आवेदिका द्वारा माननीय न्यायालय कलेक्टर, दुर्ग को प्रस्तुत अपील प्र.क: 06 अ20 (1) वर्ष 2021-22 में पारित आदेश दिनांक 21.03.2023 द्वारा उक्त पट्टा को निरस्त किया गया है। आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड कमांक एम.आई.जी. 2/166 का नामान्तरण कर नवीन पट्टा प्रदान किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06.03.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वत: या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.02.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग

सड़क किनारे खड़ी महिला के ऊपर ट्रक पलटने से मौत, ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

ब्रेकर लगाने सहित 50 लाख मुआवजा राशि देने की मांग

तिल्दा (ए)। तिल्दा-आरंग रोड पर एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अडानी पॉवर से सुबह लगभग 5 बजे निकला। इस ट्रक का ड्राइवर तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक वाहन चला रहा था। इसके चलते एक ट्रक ग्राम तारासीव में सड़क के किनारे खड़ी महिला के ऊपर अनियंत्रित होकर पलट गया। महिला उसी ट्रक के नीचे दब गई।

महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने सरपंच मनीष वर्मा के नेतृत्व मे तिल्दा से आरंग तक आने वाले नेशनल हाइवे क्रमांक 20 पर बांस लगाकर चक्का जाम कर दिया है। मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शासन का कोई भी व्यक्ति उनकी मांगों पर बात करने के लिए नहीं आया है और ज़ब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती चक्का जाम जारी रहेगा।

ट्रक चालक मौके से फरार

जानकारी के अनुसार, महिला का नाम लखेश्वरी यादव (40 साल) पति किशुन यादव है। महिला के दो बच्चे हैं जिनकी उम्र क्रमश: 17 साल और 15 साल है। ट्रक संचालक दुर्ग का बताया जा रहा है। वहीं घटना के बाद से ही ट्रक चालक मौके से फरार है।

ट्रकों की लगी लंबी कतार

चक्का जाम के कारण स्टेट हाईवे मे वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है और अभी छोटी गाड़ियों को बाइपास से डाइवर्ट किया जा रहा है। वहीं मौके पर सीएसपी विधानसभा सुदर्शन ध्रुव, थाना प्रभारी खरोरा सत्येंद्र सिंह श्याम समेत खरोरा पुलिस के कई स्टॉफ मौजूद हैं और ग्रामीणों को समझा रहे हैं। सरपंच मनीष वर्मा ने बताया कि अडानी पॉवर व उद्योगों के कारण आए दिन सड़क दुर्घटना होती रहती है। जिससे गांव के किसी न किसी की जान चले जाती है। वहीं उनकी मांग है कि तुरंत हाईवे पर ब्रेकर का निर्माण किया जाए और मृतक के परिजनों को पचास लाख रुपये मुआवजा राशि दी जाए।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे

मोदी की गारंटी
विष्णु का सुशासन

हमारी आस्था और परंपरा का प्रतीक

रामोत्सव
राजिम कुंभ (कल्प)

(24 फरवरी से 8 मार्च 2024)

जीवनदायिनी महानदी, पैरी और सोंढूर के त्रिवेणी संगम पर स्थित प्राचीन नगरी राजिम में कुंभ कल्प महोत्सव का आयोजन

समस्त आगंतुक साधु- संतों का हार्दिक अभिनन्दन

रामोत्सव
राजिम कुंभ (कल्प)
2024

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल
सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

पर्व स्नान

माघ पूर्णिमा -24 फरवरी, जानकी जयंती -4 मार्च, महाशिवरात्रि -8 मार्च

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-3973/83

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950